मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक01 मार्च, 2024

मुविविऑनलाइनकाउंसलिंगक्लासप्रारम्भ

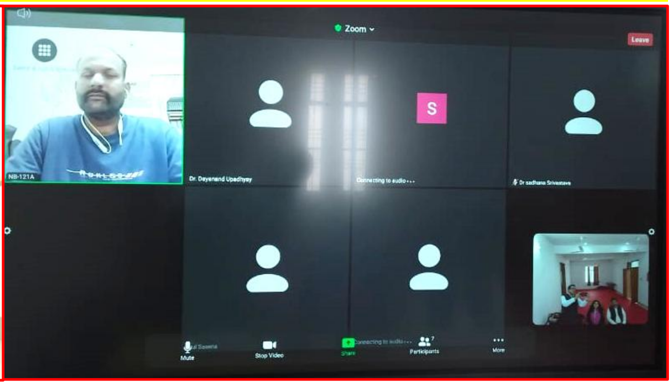

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपतिमाननीयाप्रोफेसरसीमा सिंह के निर्देशानुसारदिनांक 01 मार्च, 2024 से ऑनलाइनकाउंसलिंगक्लास का संचालनकियाजारहाहै।मानविकीविद्या शाखा के अन्तर्गतपत्रकारिताएवंजनसंचारविषय की ऑनलाइनकाउंसिलिंगक्लास का संचालनकियागया।जिसमें इस विषय के सहायकआचार्य डॉ.साधनाश्रीवास्तव, डॉ.सतीशचन्द्रजैसल, डॉ. दयानन्दउपाध्याय द्वाराआभासी माध्यम से जुड़ेशिक्षार्थियों द्वारापाठ्यक्रम से संबंधितप्रश्नपूछेगए।जिसकासमुचितउत्तरदेकरउनकीजिज्ञासाको शांतकियागया ।

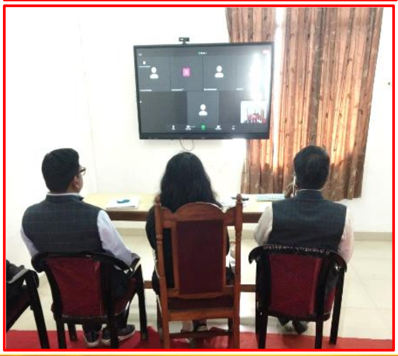

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
दिनांक01 मार्च, 2024

मुविवि के समस्तविद्याशाखों के निदेशक, प्रभारीनिदेशक एवंसमस्त क्षेत्रीय केंद्रों के प्रभारीनिदेशक की बैठक

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज की माननीयाकुलपतिमाननीयाप्रोफेसरसीमा सिंह जी की अध्यक्षतामेंसमस्तविद्याशाखों के निदेशक, प्रभारीनिदेशक एवंसमस्त क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारीनिदेशककी बैठकदिनांक 01 मार्च, 2024 कोकमेटी कक्ष मेंआहूत की गयी।बैठकमेंविद्याशाखाओं एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के ब्रोशरबनानेआदिपरविचार–विमर्शकियागया।उक्तबैठकमेंविद्याशाखाओं के निदेशक, प्रभारीनिदेशक, प्रभारीनिदेशक क्षेत्रीय केन्द्र एवंकलसचिवउपस्थितरहे।

माननीयाकुलपतिमाननीयाप्रोफेसरसीमा सिंह जी

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक02 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम

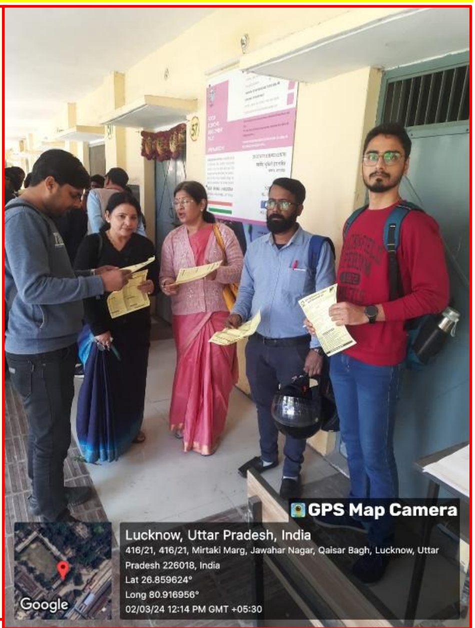

उ0 प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज, लखनऊ क्षेत्रीय केन्द की क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 निराजंलिसिन्हा द्वारादिनांक02 मार्च, 2024 कोराजकीय जुबलीइंटरकॉलेजमेंनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के तहतविभिन्नविभागों के लोगो से मुक्तविश्वविद्यालय के संबंध मेंविस्तार से सकारात्मकवार्ताहुई।पाठ्यक्रम के बारेमेंजिज्ञासादिखी।क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की समन्वयक डॉ0 निराजंलिसिन्हा ने सभीकोविश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम की विस्तृतजानकारीदीगई। डॉ0 निराजंलिसिन्हा ने बतायाकिब्राइटकैरियरडिग्रीकॉलेजठाकुरगंज की प्रिंसिपलभीवहांउपस्थितथी।उन्होंनेअपने यहांसेंटर खोलेजाने की इच्छाजाहिरकी।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक03 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रझॉसी द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय,प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्रझांसी द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के अंतर्गतदिनांक 03 मार्च, 2024कोझॉसीक्षेत्रीय केन्द्र के केन्द्रसमन्वयक डॉ0पुष्पेंद्रकुमारवर्मा द्वाराराम लखनपटेलमहाविद्यालय, एटा,जालौनमेंनामांकनअभिप्रेरणाप्रोग्रामकार्यक्रमचलाया,जिसमेछात्र–छात्राओंकोस्नातक, परास्नातक एवंडिप्लोमा, प्रमाणपत्र कार्यक्रमोंमेंप्रवेश की जानकारीदीगईतथाप्रवेश के लिए मोटिवेटकियागया।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
दिनांक03 मार्च, 2024

कुलसचिवने कियालखनऊ क्षेत्रीयकेन्द्र का औचकनिरीक्षण

{ks=kh; dsUnzy[kuÅdk
fujh{k.kdjrsgq,

उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजके कुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने दिनांक03 मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द, लखनऊ का औचकनिरीक्षणकिया। इस दौरान क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ कीसमन्वयक डॉ0 निराजंलिसिन्हातथाकर्मचारीगणउपस्थितरहे।कुलसचिवकर्नलविनय कुमारने क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊका निरीक्षणकरकार्यालय के गतिविधियों की जानकारीप्राप्ततथाकार्यालय भवन से संबंधितसभीसमस्यायों से अवगतहोतेहुए उनका शीघ्रनिराकरणकरने के लिए निर्देशितकिया।कुलसचिव ने क्षेत्रीय केन्द्रमेंसफाईव्यवस्थाकोचुस्त–दुरूस्त रखने के साथ–साथकेन्द्रसमन्वयककोनिर्देशितकियाकिवहअपने अधीनस्थसभीकर्मचारियोंकोकार्यालय आने की समयबद्धतासुनिश्चितकरवाएं।

fo'ofo|ky; ds dqylfpoduZyfou; dqekjdks iq"ixqPNHksaVdjmu dkLokxrdjrhgqbZ {ks=kh; dsUnzy[kuÅ dh dsUnzleUo;d MkW0 fujktafyflUgk

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक05 मार्च, 2024

मान्यताबोर्डकी 25वींबैठकआयोजित

प्रो0 सीमा सिंह, माननीयाकुलपति

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की माान्यताबोर्ड की 25वीं बैठकदिनांक 05 मार्च, 2024 कोपूर्वाह्न 10:30 बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षताप्रोफेसरसीमा सिंह, माननीयाकुलपति, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज ने की।बैठकमेंकईमहत्वपूर्णनिर्णय लियागया।

माननीयाकुलपतिजी से माान्यताबोर्ड की 25वीं बैठकप्रारम्भकरने की अनुमतिप्राप्तकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमार

बैठक की अध्यक्षताकरतीहुईमाननीयाकुलपतिजी एवंउपस्थितमाननीय सदस्यगण।

प्रो0 आशुतोषगुप्तानिदेशक, विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सत्य पालतिवारी, निदेशक, मानविकीविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्तकुमारस्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषाकुमार, आचार्य (इतिहास), समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 विनोदकुमारगुप्ता, आचार्य (संस्कृत), मानविकीविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 छत्रसाल सिंह, आचार्य, (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय कुमार सिंह, एसोसिएटप्रोफेसर (भूगोल), समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव, एसोसिएटप्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषिविज्ञानविद्याशाखा तथाप्रभारी, अध्ययन केन्द्र, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज एवंकर्नलविनय कुमारकुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजउपस्थितरहे।

प्रो0 सीमा सिंह, माननीयाकुलपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक05 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम

माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी के नेतृत्वमेंउत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहतआयोजितछात्र उन्नयनकार्यक्रममुक्तविश्वविद्यालय के 12 क्षेत्रीय केन्द्रों एवंप्रयागराज के माघमेलाशिविरमेंचलाए जारहाहै।

इसीकड़ीमेंउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ की क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ. निराजंलिसिन्हा ने दिनांक 05 मार्च, 2024 कोनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम की कड़ीमें लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र द्वारा**Mount Sinai Global School**लखनऊ के प्रबंधकअनिकेतजी, एच. आर. मैडम, शिक्षिकाओं एवंऑफिसस्टाफकोविश्वविद्यालय द्वारासंचालितविभिन्नपाठ्यक्रमो के विषय मेंजानकारीदीगई।उन्होंनेसभीकोबतायाकिनईशिक्षा नीति–2020 के तहतकिसप्रकार से आपलोग इस विश्वविद्यालय से कोर्सेजकरकेअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं।शिक्षिकाओ ने **MBA, MA, Certificate Courses**मेंप्रवेशलेनेहेतुविचारबनायाहै।

foRrlfefr dh 54oha cSBdvk;ksftr

दिनांक 06 मार्च, 2024

m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz;kxjkt }kjkfoRrlfefr dh 54oha cSBdfnukad 06 ekpZ] 2024 dksvijkg~~u 03%00 ctsdesVh d{k esavkgwr dh xbZAcSBd dh v/;{krkizksQsljlhek flag] ekuuh;kdqyifr] m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz;kxjkt us

ekuuh;kdqyifr izks0 lhek flag

cSBdesaizeq[k lfpoiPpi k{kk] m0 iz0 'kklu dh vksj ls MkW0 ds-ih- oekZ] {ks=kh; mPpf'k{kk vf/kdkjh] iz;kxjkt] dk;Zifj"kn }kjkukferlnL; Jhvt; dqekj flag] iwoZfoRrvf/kdkjh] m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz;kxjkt] lfpo] foRrfoHkkx] m0 iz0 'kkludksvksj ls Jhizeksndqekj flag] vijfuuns'kd] isa'ku ,oadks"kkxkj] iz;kxjkt] Jh 'kf'kHkw"k.k flag rksej] foRrvf/kdkjh] m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz;kxjkt] Jhfou; dqekj] dqylfpo] m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz;kxjkt ,oaJhMh-ih- flg] ijh{kk fu;a=kd] m0iz0

foRrlfefr dh cSBd dh v/;{krkdjrhgqbZekuuh;kdqyifr izks0 lhek flag th ,oacSBdesamifLFkrlnL;x.kA

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
दिनांक04 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रवाराणसी द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम

माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी के नेतृत्वमेंउत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानमुक्तविश्वविद्यालय के 12 क्षेत्रीय केन्द्रोंपरचलाए जारहाहै।इसीकड़ीमें क्षेत्रीय केंद्रवाराणसीमें द्वाराअभियानचलायाजारहाहै।

इसीकडीमेंदिनांक 04 मार्च, 2024 कोआचार्यसीताराममहिलामहाविद्यालय रामनगरवाराणसीमें क्षेत्रीय केंद्रवाराणसी के द्वारानामांकनअभिप्रेरणाअभियानकार्यक्रमआयोजितकियागया।कार्यक्रम के दौरानजननायकचंद्रशेखरविश्वविद्यालय बलिया की पूर्वकुलपतिप्रोफेसरकल्पलतापाण्डेय की गरिमामयीउपस्थितिमेंप्रवेशजागरूकता का कार्यक्रमचलायागया।

प्रोफेसरकल्पलतापाण्डेय ने न केवलकार्यक्रम की अध्यक्षताकियाअपितुअपने संबोधनमेंराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय मेंछात्राओंकोप्रवेशलेने के लिए प्रेरितभीकिया।वाराणसीक्षेत्रीय केंद्रके समन्वयक डॉ. एस. के. सिंह द्वाराविश्वविद्यालय मेंप्रवेश की प्रक्रियाकोविस्तार से बतायागया।छात्राओंको उनके विषय से संबंधितराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय मेंभविष्य के लिए उनके करियरकोउन्नतकरने के हेतुबहुतसारेविषय संचालितहै।छात्राओंकोपूर्ण रूप से इस अवसर का लाभलेंनाचाहिए इसकेलिए प्रेरितकियागया।छात्रोंकोबतायागया की प्रवेश की अंतिमतिथि 15 मार्च

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

दिनांक06 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रझॉसी द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्रझांसीपरनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के अंतर्गतदिनांक 06 मार्च, 2024 कोझॉसी के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक, डॉ0 पुष्पेंद्रकुमारवर्मा द्वारारेलवेस्टेशनऔरसिपरीमेंनामांकनअभिप्रेरणप्रोग्रामचलायागया।जिसमेंजनमानस के साथछात्र–छात्राओंकोस्नातक, परास्नातक एवंडिप्लोमा, प्रमाणपत्र कार्यक्रमोंमेंप्रवेश की जानकारीदीगईतथाप्रवेश के लिए मोटिवेटकियागया।

दिनांक 07 मार्च, 2024

मुविविमेंनैकआवश्यकताओं के दृष्टिगतग्रीनआडिटसम्बन्धीक्रियान्वयन के सम्बन्ध मेंबैठकआयोजित

प्रोफेसरसीमा सिंह जी
माननीयाकुलपति,

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीय कुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी के अध्यक्षतामेंनिदेशकCIQA, समस्तविद्याशाखओं के निदेशक, प्रभारीनिदेशक, पर्यावरणजागरूकता एवंग्रीनऑडिटसमिति, ऊर्जासंरक्षण, ऑडिटसमिति के समस्तसदस्यगण एवंकुलसचिव की NAACआवश्यकताओं के दृष्टिगतGreen Auditसम्बन्धीमुद्दे, महत्वऔरइसकेप्रभावीक्रियान्यवयनप्रक्रिया के सम्बन्ध में एक आवश्यक बैठकदिनांक 07 मार्च, 2024 कोप्रातः 10:30 बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गईहै ।

cSBd dh v/;{krkdjrhgqbZekuuh;kdqyifrizksQsljlhek flag th,oacSBdesamifLFkrfuns'kdrFkkfofHkUulfefr;ksa ds

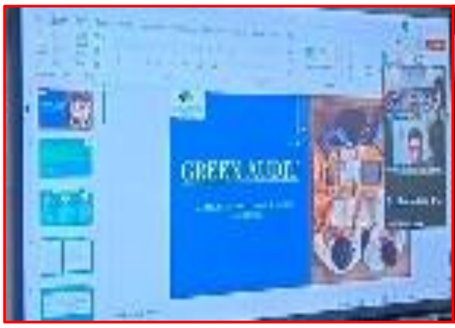

cSBd dh v/;{krkdjrhgqbZekuuh;kdqyifrizksQslhek flag th,oacSBdesamifLFkrfuns'kdrFkkfofHkUUlfefr;ksa ds

दिनांक 07 मार्च, 2024

कार्यपरिषद् की 135वीं बैठकआयोजित

माननीयाकुलपति,प्रो0 सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय की कार्यपरिषद् की 135 वींबैठकदिनांक 07 मार्च, 2024 कोअपराह्न 12:15 बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षताविश्वविद्यालय की माननीयाकुलपति, प्रोफेसरसीमा सिंह जी ने की।बैठकमेंमहत्वपूर्णनिर्णय लियेगये।

dk;Zifj"kn ds cSBd dh v/;{krkdjjghekuuh;kdqyifrizksQljlhek flag th ls cSBdizkjEHkdjus dh vuqefrizkIrdjrsgq, dqylfpoJhfou; dqekj

dk;Zifj"kn dh cSBd dh v/;{krkdjrhgqbZekuuh;kdqyifr izks0 lhek

कार्यपरिषद् की 135वीं बैठक

बैठकमेंमाननीय न्यायमूर्तिश्रीमनोजकुमारगुप्ता, उच्चन्यायालय, इलाहाबाद (प्रयागराज), प्रो0 अखिलेशकुमार सिंह, कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 उमाकॉजीलाल, प्रतिकुलपति, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली, डॉ0 के0 के0तिवारी, अवकाशप्राप्तप्राचार्य, बी0एस0एस0डी0 कालेजकानपुर, प्रो0 प्रशान्तकुमारस्टालिननिदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषाकुमार, निदेशक, समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 रूचिबाजपेई, आचार्य (हिन्दी), मानविकीविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 संजय सिंह, एसोसिएटप्रोफेसर, भूगोल (समाज विज्ञानविद्याशाखा), उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सुनीलकुमार, असिस्टेण्टप्रोफेसर, (प्राचीन इतिहास), समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, परीक्षा नियंत्रक, श्रीदेवेन्द्रप्रताप सिंह, वित्तअधिकारीश्री शशिभूषण सिंह तोमर (विशेष आमंत्रित सदस्य) एवंश्रीविनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज(ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) उपस्थितरहे।

dk;Zifj"kn dh cSBd dh v/;{krkdjrhgqbZekuuh;kdqyifr izks0 lhek flag th ,oacSBdesamifLFkr ek0lnL;x.kA

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
दिनांक10 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रकानपुरके अन्तर्गतआनेवाले अध्ययन केन्द्र प्रो. एच. एन. मिश्राकालेजआफ एजुकेशनकानपुरमेंस्मार्टफोनवितरण एवंनामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम

दिनांक 10 मार्च, 2024 कोउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्रकानपुर के अन्तर्गतआनेवाले अध्ययन केन्द्र प्रो0 एच.एन. मिश्राकालेजआफ एजुकेशन, कानपुरमेंस्मार्टफोनवितरण एवंपरनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम का आयोजनकियागया।कार्यक्रम की विशिष्टअतिथिकानपुर क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक, डॉ0 रेखा त्रिपाठीरही।कार्यक्रममेंलगभग 40 बच्चोंकोस्मार्टफोनवितरितकियागया । इस दौरानसभीछात्र–छात्राओंकोस्नातक, परास्नातक एवंडिप्लोमा, प्रमाणपत्र कार्यक्रमोंमेंप्रवेश की जानकारीदीगईतथाप्रवेश के लिए मोटिवेटकियागया। इस अवसरपरकालेज के प्रबंधक, प्राचार्य एवंसिख समुदाय के नेताटिक्का सिंह जीउपस्थितरहे।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

दिनांक 11 मार्च, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय ने वीरबहादुर सिंह पूर्वान्चलविश्वविद्यालय से किया एमओयू

शिक्षार्थियों की असीमित क्षमताओं का विकासकरनाविश्वविद्यालय का उद्देश्य –प्रोफेसरसीमा सिंह

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज एवंवीरबहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय, जौनपुरशिक्षा के क्षेत्र मेंमिलकरकार्यकरेंगे।दोनोंविश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर समझौतेपत्र परहस्ताक्षरकिए गए।

पूर्वांचलविश्वविद्यालय गुणात्मकविकास एवं शैक्षणिकउत्कृष्टतामें अग्रणी–प्रोफेसरवंदना सिंह

MOU

शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरेकोसहयोगदेने के लिएपरस्परसहमतिपत्र एमओयूसाक्षा करतीहुई उ0 प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह एवंवीरबहादुर सिंह पूर्वान्चलविश्वविद्यालय जौनपुर की माननीयाकुलपतिप्रोफेसरवन्दना सिंह तथासाथमेंदोनोंविश्वविद्यालय के कुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंश्रीमहेन्द्रकुमार

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज एवंवीरबहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय, जौनपुरशिक्षा के क्षेत्र मेंमिलकरकार्यकरेंगे।दोनोंविश्वविद्यालयों के मध्य सोमवारदिनांक 11 मार्च, 2024कोपरस्पर समझौतेपत्र परहस्ताक्षरकिए गए।शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरेकोसहयोगदेने के लिए उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह एवंवीरबहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपतिप्रोफेसरवन्दना सिंह ने परस्परसहमतिपत्र एमओयूपरहस्ताक्षरकिए।साक्षी के तौरपरउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के कुलसचिवकर्नलविनय कुमार एवंवीरबहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलसचिवश्रीमहेन्द्रकुमारउपस्थितरहे।

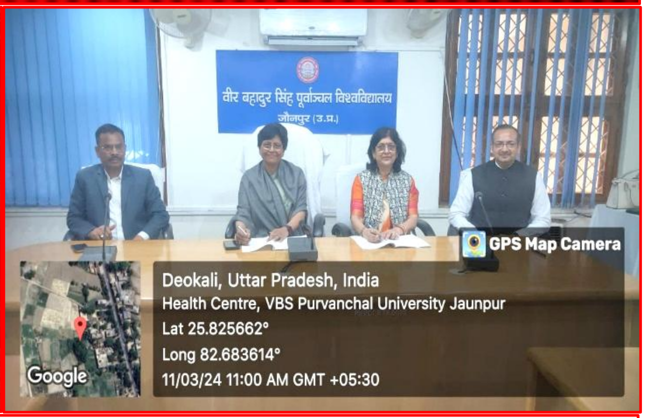

शिक्षार्थियों की असीमित क्षमताओं का विकासकरनाविश्वविद्यालय का उद्देश्य –प्रोफेसरसीमा सिंह

इस अवसरपरउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह ने कहाकिमुक्तविश्वविद्यालय के शिक्षार्थियोंकोशिक्षा के क्षेत्र मेंवीरबहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय, जौनपुर की उत्कृष्टता का लाभमिलेगा।विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों से जुड़करछात्र अपनेकैरियरकोसंवारसकेंगे।उन्होंनेकहाकिशिक्षार्थियों की असीमित क्षमताओं का विकासकरनाविश्वविद्यालय का उद्देश्य है।उन्होंनेकुलपतिप्रोफेसरवन्दना सिंह के प्रतिआभारव्यक्तकिया।प्रोफेसर सिंह ने कहाकिआज का दिनहमारेऔरपूर्वांचलविश्वविद्यालय के लिए बहुतहीविशेषदिनहै।आजउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय औरपूर्वांचलविश्वविद्यालय के मध्य अकादमिक समझौताहुआहैजिससे इस क्षेत्र के बहुतसारेविद्यार्थीआनेवाले समय मेंलाभान्वितहोंगे। ऐसीमुझे पूरीउम्मीदहै।उन्होंनेकहाकिराज्यपाल एवंकुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेनपटेल के निरंतरमार्गदर्शनमेंमुक्तविश्वविद्यालय औद्योगिकप्रतिष्ठानों के साथहीमहत्वपूर्ण शैक्षिकसंस्थानों के साथ एमओयूसाइनकरकेउनकीविशेषताओं से शिक्षार्थियोंकोलाभान्वितकरने की दिशामेंनिरन्तरप्रयासरतहै।इसीदिशामेंआगे बढ़तेहुए बुन्देलखण्डविश्वविद्यालय, झॉसी, डॉ हरिसिंहगौरविश्वविद्यालय, सागर के बादअबवीरबहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय, जौनपुर के साथ एमओयूप्रक्रियासंपन्नकराईगई।

पूर्वांचलविश्वविद्यालय गुणात्मकविकास एवं शैक्षणिकउत्कृष्टतामें अग्रणी–प्रोफेसरवंदना सिंह

वीरबहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय, जौनपुर की कुलपतिप्रोफेसरवन्दना सिंह ने कहाकिपूर्वांचलविश्वविद्यालय निरंतरगुणात्मकऔर मात्रात्मकविकास, शैक्षणिकऔरप्रशासनिकगतिविधियोंमेंउत्कृष्टता, पारदर्शीऔरकुशल शैक्षणिकप्रशासनजैसीविशिष्टविशेषताओं के आधारपरदेश के अग्रणी विश्वविद्यालयोंमेंअपनास्थानकायमकियाहै।आजप्रदेश के एकमात्र मुक्तविश्वविद्यालय के साथ एमओयू के उपरांतअबउत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय द्वाराप्रदत्तनईशिक्षा नीति के अंतर्गतडिग्री, डिप्लोमा एवंसर्टिफिकेटकार्यक्रमों के साथहीरोजगारपरककार्यक्रमों का लाभपूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियोंकोमिलेगा।उन्होंनेकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह के प्रयासों की सराहनाकरतेहुए कहाकिउत्तरप्रदेश का यह एकमात्र मुक्तविश्वविद्यालय उनके नेतृत्वमेंचतुर्दिकप्रगतिकररहाहै।सरकार की तरफ से चलाए जारहेकौशलविकासकार्यक्रमोंकोमुक्तविश्वविद्यालय सफलतापूर्वकसंचालितकररहाहै।निश्चय हीआजदोनोंविश्वविद्यालयों के परस्पर समझौतापत्र एमओयूपरहस्ताक्षरहोने से प्रदेश के छात्रोंकोलाभमिलेगा। इस अवसरपरअन्य अधिकारीगणउपस्थितरहे।

साक्षी के तौरपरपरस्पर समझौतेपत्र परहस्ताक्षरकरतेहुए
उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के
कुलसचिवकर्नलविनय कुमार
एवं
वीरबहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय, जौनपुर के
कुलसचिवश्रीमहेन्द्रकुमार

संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन, प्रदर्शन, दस्तावेजीकरणविषय परकार्यशाला

बहुआयामीऔर समृद्ध धरोहरहैभारतीय संस्कृति–प्रोफेसरसीमा सिंह

माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह

मुविवि की कुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह ने वीरबहादुर सिंह पूर्वांचलविश्वविद्यालय,जौनपुर, उत्तरप्रदेश के कल्चरलक्लब एवंजनसंचारविभाग द्वारासंस्कृतिविभाग, उत्तरप्रदेश के सहयोग से आयोजितकार्यशालासंस्कृति के संरक्षण, संवर्धन, प्रदर्शन, दस्तावेजीकरणमेंविचारव्यक्तकरतेहुए कहाकिभारतीय संस्कृति एक बहुआयामीऔर समृद्ध धरोहरहैजोभारत के साथहीविश्वकोभीप्रभावितकरतीहै। यह अहिंसा, धर्म, कर्म, योग, औरसमर्पण के मूल्योंपरआधारितहै।भारतीय संस्कृतिविविधताऔर एकता का सुंदरउदाहरणप्रदानकरतीहै, जिसमेंसभी धर्म, भाषाएं, औरजातियाँ समाहितहैं।इसकीअद्भुतसांस्कृतिकविरासतभव्य भविष्य की दिशामें एक महत्वपूर्णभूमिकानिभारहीहै।

उन्होंनेकहाकि युवापीढ़ी की भागीदारी से संस्कृतिसंरक्षणमेंसकारात्मकपरिवर्तनहोसकताहैऔरइससेसमृद्धि औरसुरक्षा की दिशामें बढ़ावा मिल सकताहै।प्रोफेसर सिंह ने कहाकिहमारीसंस्कृतिहीहमारीपहचानहै।इससेजुड़ेरहिये।

माननीय अतिथिगणोंकोअंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए वीरबहादुर सिंह पूर्वान्चलविश्वविद्यालय, जौनपुरपरिवार के सदस्यगण

दैनिक जागरण
प्रयागराज, 12 मार्च, 2024
www.jagran.com
बांग्लादेश के विरुद्ध शमी की वापसी संभव: शाह 16
सरकार का खेल संघों में दखल का कोई इरादा नहीं: अनुराग 16
युवा जागरण
दैनिक जागरण 6
प्रयागराज, 12 मार्च, 2024
www.jagran.com

एक-दूसरे के सहयोगी बनेंगे मुवि और पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य सोमवार को परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। मुवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफे. वन्दना सिंह ने परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

समझौता पत्र के साथ पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह और मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह

- दोनों विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर
- मुवि ने एक महीने में तीन विश्वविद्यालय से किया एमओयू

मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता का लाभ मिलेगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि प्रदेश के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू के उपरांत अब मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त नई शिक्षा नीति के अंतर्गत डिग्री, डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रमों के साथ ही रोजगारपरक कार्यक्रमों का लाभ पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलेगा। इससे पूर्व मुवि ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी और डा. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के साथ एमओयू किया था। इसमें मुवि के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण
www.jagran.com
जौनपुर आसपास जागरण

पूर्वांचल विश्वविद्यालय गुणात्मक विकास व शैक्षणिक उत्कृष्टता में अग्रणी : कुलपति

एमओयू के बाद समझौता पत्र दिखाती पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह व राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह (दाएं) ● जागरण

संवाद सहयोगी, मल्हनी (जौनपुर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय व राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज अब शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य परस्पर सम्झौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। शिक्षा के क्षेत्र में एक-दूसरे को सहयोग देने पर दोनों कुलपतियों के बीच सहमति बनीं।

साक्षी के तौर पर दोनों विश्वविद्यालयों के कुलसचिव महेंद्र कुमार, कर्नल विनय कुमार के साथ नोडल अधिकारी डा. मनोज कुमार पांडेय और राजेंद्र प्रताप सिंह मौजूद रहे। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने निरंतर गुणात्मक और मात्रात्मक विकास, शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों में उत्कृष्टता, पारदर्शी और कुशल शैक्षणिक प्रशासन जैसी विशेषताओं के आधार पर देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में अपना स्थान बनाया है। प्रदेश के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू के बाद अब उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त नई शिक्षा नीति के तहत डिग्री, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के साथ ही रोजगारपरक कार्यक्रमों का लाभ पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलेगा।

3 राजधानी सीएए के कार्यान्वयन के मद्देनजर यूपी पुलिस सतर्क
6 अभिमत खैरात बांटने की हानिकारक प्रवृत्ति
11 विदेश राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मॉरीशस पहुंचीं
12 स्पोर्ट्स कुश्ती ट्रायल के दौरान ड्रामा
RNI NO.UPHIN/2010/36547
लखनऊ, मंगलवार, 12 मार्च, 2024
लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
आत्मनिर्भर महिलाएँ आत्मनिर्भर भारत का चेहरा राष्ट्रीय-10
www.dailypioneer.com

बहुआयामी और समृद्ध धरोहर है भारतीय संस्कृतिः प्रो. सीमा

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय से एमओयू कर लगाई हैट्रिक

संवाददाता । प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य सोमवार को परस्पर समझौते पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। शिक्षा के क्षेत्र में एक दूसरे को सहयोग देने के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की कुलपति प्रो वन्दना सिंह ने परस्पर सहमति पत्र एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

साक्षी के तौर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के कुलसचिव महेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की उत्कृष्टता का लाभ मिलेगा।

विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों से जुड़कर छात्र अपने कैरियर को संवार सकेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थियों की असीमित क्षमताओं का विकास करना विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। उन्होंने कुलपति प्रो वन्दना सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रो सिंह ने कहा कि आज का दिन हमारे और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही विशेष दिन है। आज उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मध्य अकादमिक समझौता हुआ है।

जिससे इस क्षेत्र के बहुत सारे विद्यार्थी आने वाले समय में लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में मुक्त विश्वविद्यालय औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ ही महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थानों के साथ एमओयू साइन करके उनकी विशेषताओं से शिक्षार्थियों को लाभान्वित करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के बाद अब वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के साथ एमओयू प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की कुलपति प्रो वन्दना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने निरंतर गुणात्मक और मात्रात्मक विकास शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों में उत्कृष्टता पारदर्शी और कुशल शैक्षणिक प्रशासन दिया है। आज प्रदेश के एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय के साथ एमओयू के उपरांत अब उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त नई शिक्षा नीति के अंतर्गत डिग्री डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के साथ ही रोजगारपरक कार्यक्रमों का लाभ पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों को मिलेगा।

पूविवि और राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज में समझौता

शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य, एमओयू पर किए हस्ताक्षर

एमओयू के बाद समझौता पत्र दिखाती दोनों विवि की कुलपति.

- पूविवि व राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर करेंगे कार्य
- पूर्वांचल के छात्रों को मिलेगा रोजगार परक कार्यक्रमों का लाभ

MALHANI (11 March): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय व राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज अब शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर कार्य करेंगे. दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य सोमवार को परस्पर समझौता पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए. शिक्षा के क्षेत्र में एक-दूसरे को सहयोग देने पर दोनों कुलपतियों के बीच सहमति बनीं.

अग्रणी विवि में स्थान

विद्यार्थियों को लाभ

संस्कृति संरक्षण के लिए जागरूक करना आवश्यक

विविध आयामों पर चर्चा

मुक्त विश्वविद्यालय ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय से एमओयू कर लगाई हैट्रिक। - AT Samachar

बहुआयामी और समृद्ध धरोहर है भारतीय संस्कृति - प्रोफेसर सीमा सिंह त्रिभुवन नाथ शर्मा की रिपोर्ट Prayagraj,up: उत्तर प्रदेश राज...

atsamachar.com

मुक्त विश्वविद्यालय ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय से एमओयू कर लगाई हैट्रिक।

https://atsamachar.com/open-university-hits-hat-trick-by-signing-mou-with-purvanchal-university/

Daily News
SANYAM BHARAT
VOL. 02 NO. 186 MORNING EDITION PRAYAGRAJ
WEDNESDAY, 13 MARCH 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00
Padhiye Dil Aur Shan Se....
EDIT PRAYAGRAJ NATION

Workshop at Open Unive on PM's Housing Mission today

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj Small research project sponsored by the Indian Council of Social Science Research, New Delhi Prime Minister's Housing for All Mission: A Study of Performance and Impact A one-day workshop on the topic 'On Beneficiaries in Selected Cities in Uttar Pradesh' has been organized on Wednesday at 10:00 am in Lokmanya Tilak Shastrarth Auditorium located in Saraswati Campus. Giving this information, workshop coordinator Dr. Anandanand Tripathi said that the main speaker of the workshop will be Professor Ripu Sudan Singh, Department of Political Science, Baba Saheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow and it will be chaired by Vice Chancellor Professor Seema Singh. The workshop will conclude at 3:00 pm. The main speaker of which will be Professor Madhurendra Kumar, Deendayal Upadhyay Chair, Allahabad Central University, Prayagraj and will be presided over by Professor S Kumar, Director, Social Sciences Branch, Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj. Organizing Secretary Dr. Trivikram Tiwari has appealed to all the students to be present in the said workshop.

लखनऊ | शुक्रवार, 8 मार्च 2024 2

पहली बार यूपी में एक साथ नौ राज्य विश्वविद्यालयों में महिला कुलपति

प्रदेश में 35 राज्य विश्वविद्यालय, तकनीकी, कृषि व मेडिकल संस्थान भी शामिल

बहुआयामी और समृद्ध धरोहर है भारतीय संस्कृति : प्रोफेसर सीमा सिंह - smupnews.com

राजर्षि टंडन मुक्त विवि और पूर्वांचल विवि के मध्य अकादमिक समझौता हुआ है जिससे इस क्षेत्र के विद्यार्थी आने वाले समय में...

smupnews.com

बहुआयामी और समृद्ध धरोहर है भारतीय संस्कृति : प्रोफेसर सीमा सिंह

https://smupnews.com/2024/03/indian-culture-is-a-multifaceted-and-rich-heritage-professor-seema-singh/

02:57

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक12 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रझॉसीके अर्न्तगतआनेवाले अध्ययन केन्द्र बिपिनबिहारीपी.जी. कालेजझॉसीमेंस्मार्टफोनवितरण एवंनामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम

दिनांक 12मार्च, 2024 कोउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्रझॉसीके अन्तर्गतआनेवाले अध्ययन केन्द्रबिपिनबिहारीपी.जी. कालेजझॉसीमेंस्मार्टफोनवितरण एवंपरनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम का आयोजनकियागया।उक्तकार्यक्रममेंझॉसी क्षेत्रीय केन्द्रके समन्वयक, डॉ0 पुष्पेन्द्रकुमारवर्मा नेसभीछात्र–छात्राओंकोस्नातक, परास्नातक एवंडिप्लोमा, प्रमाणपत्र कार्यक्रमोंमेंप्रवेश की जानकारीदीगईतथाप्रवेश के लिए मोटिवेटकियागया। इस अवसरपरविपिनबिहारीडिग्रीकॉलेज के प्राचार्य, डॉ0 टी0 के0 शर्मा,समन्वयक, डॉ0मुकेशश्रीवास्तव एवंशिक्षकगण के साथकर्मचारीभीउपस्थितरहे।

दिनांक13 मार्च, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय मेंमाननीय प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का लाइवस्ट्रीमिंग का प्रसारण

माननीय प्रधानमंत्री जी ने सेमीकंडक्टरसुविधओं (धोलेरा, गुजरातमेंफैबफैसेलिटी, साणंद, गुजरातमेंOSAT फैसेलिटी एवंमोरीगांव, असोममेंOSATफैसेलिटी) की आधारशिला रखी

मुक्तविश्वविद्यालय मेंउक्तकार्यक्रम का लाइवस्ट्रीमिंग का प्रसारण

भारतमेंसेमीकंडक्टरसुविधाओंकोसुदृढ़ करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्रीनरेन्द्रमोदीजी द्वारादिनांक 13 मार्च, 2024 कोपूर्वाह्न 10:30 बजेसेमीकंडक्टरसुविधओं (धोलेरा, गुजरातमेंफैबफैसेलिटी, साणंद, गुजरातमेंOSAT फैसेलिटी एवंमोरीगांव, असोममेंOSATफैसेलिटी) की आधारशिला रखीगयी।जिसेमाननीय प्रधानमंत्री के यूट्यूबचैनल (@NarendraModi) के माध्यम से दिनांक 13 तार्च, 2024 कोप्रश्नगतकार्यक्रम की लाइवस्ट्रीमिंग का प्रसारणउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजमेंकियागया।उक्तकार्यक्रम का लाइवस्ट्रीमिंग का प्रसारणविश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षको, अधिकारियों एवंकर्मचारियों ने देखा।

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक13 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊपरस्मार्टफोनवितरण एवंनामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम

दिनांक 13मार्च, 2024 कोउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊपरउत्तरप्रदेशसरकार द्वाराशिक्षा कोडिजिटलकरने के उद्देश्य स्वामीविवेकानंद युवासशक्तिकरण योजना के तहतस्मार्टफोनवितरण एवंपरनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम का आयोजनकियागया।उक्तकार्यक्रममेंलखनऊक्षेत्रीय केन्द्रकी समन्वयक, डॉ0 निराजंलिसिन्हा नेसभीछात्र–छात्राओंकोस्नातक, परास्नातक एवंडिप्लोमा, प्रमाणपत्र कार्यक्रमोंमेंप्रवेश की जानकारीदीगईतथाप्रवेश के लिए मोटिवेटकियागया।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

दिनांक13 मार्च, 2024

मुक्तविश्वविद्यालय में
प्रधानमंत्री आवासमिशनपरमुक्तविश्वविद्यालय मेंहुईकार्यशाला

राजनीतिविज्ञान, समाजविज्ञानविद्याशाखा, उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के तत्वाधानमेंभारतीय सामाजिकविज्ञानअनुसंधानपरिषद,नईदिल्ली द्वाराप्रायोजितलघु शोध परियोजना (**Short-term Empirical Research Project (Individual)**) के अंतर्गत''**Prime Minister Housing for All Mission: A Study of Performance and Impact on Beneficiaries in Selected Cities of Uttar Pradesh**"विषयक एक दिवसीयकार्यशाला का आयोजनदिनांक 13 मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के सरस्वतीपरिसरस्थितलोकमान्य तिलक शास्त्रार्थसभागारमेंआयोजितकियागया।उक्तकार्यशालाके उद्‌घाटन सत्र के मुख्य वक्ताप्रोफेसररिपुसूदन सिंह,राजनीति शास्त्र विभागबाबासाहेबभीमरावअंबेडकरविश्वविद्यालय, लखनऊतथामुख्य अतिथिश्रीगुरु प्रसादमौर्य,माननीय विधायक,फाफामऊ,प्रयागराजरहे।कार्यक्रमकी अध्यक्षताविश्वविद्यालय की माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी ने की।

सरस्वतीवन्दनाप्रस्तुतकरतेहुए असिस्टेन्टप्रोफेसर (संविदा) डॉ0 अनिकेत सिंह

दीपप्रज्ज्वलितकरकार्यक्रम का शुभारम्भकरतेहुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए एसोसिएटप्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, डॉ0 देवेशरंजन त्रिपाठी

परियोजना का परिचय प्रस्तुतकरतेहुए परियोजनानिदेशक डॉ0आनंदानंद त्रिपाठी

मंचासीनविशिष्टजनों का वाचिकस्वागतकरतेहुए निदेशक, समाजविज्ञानविद्याशाखा, प्रोफेसरसन्तोषाकुमार

प्रारम्भमेंनिकेत सिंह ने सरस्वतीवंदना की संगीतमय प्रस्तुतिकी।समाजविज्ञानविद्याशाखा के निदेशकप्रोफेसर एस कुमार ने मंचासीनविशिष्टजनों का वाचिकस्वागततथापरियोजनानिदेशक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने परियोजना के बारेमेंविस्तृतजानकारीदी।कार्यक्रम का संचालन डॉ देवेशरंजन त्रिपाठी ने तथा धन्यवादज्ञापनकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने किया।संपूर्णकार्यक्रममेंविश्वविद्यालय के समस्तविद्याशाखाओं के निदेशकगण, आचार्यगण, सहआचार्यगण, सहायक एवंसमस्त शोधार्थीउपस्थितरहे।कार्यक्रम का संचालन डॉ.देवेशरंजन त्रिपाठीजी ने किया।

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुख्य अतिथिश्रीगुरु प्रसादमौर्यजीकोपुष्पगुच्छ, हरितफल एवं स्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतीहुईविश्वविद्यालय की माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी एवंविश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

मुख्य वक्ताप्रोफेसररिपुसूदन सिंहजीकोहरितफल एवं स्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतीहुईविश्वविद्यालय की माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी एवं डॉ0 आनन्दानन्द त्रिपाठी

विश्वविद्यालय की माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जीकोपुष्पगुच्छएवं स्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए प्रोफेससन्तोषकुमार, डॉ0 आनन्दानन्द त्रिपाठी एवं डॉ0 त्रिविक्रमतिवारी

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

भारतआजविकास की लॉन्चिंगपैडपर :प्रोफेसररिपूसूदन सिंह

मुख्य वक्ताप्रोफेसररिपुसूदन सिंह

मुख्य वक्ताप्रोफेसररिपुसूदन सिंह, राजनीतिविज्ञानविभाग, बाबासाहबभीमरावअंबेडकरविश्वविद्यालय लखनऊ ने कहाकिआवास का मुद्दाबहुतहीमहत्वपूर्णमुद्दाहै। यह लोगों के जीवन मेंगुणात्मकपरिवर्तनलाताहै। 2047 तकविकसितभारत का सपनातभीसाकारहोगाजबसभीकोरहने के लिए आवाससुलभहोंगे।सरकार का ध्यान उन वर्गोंपरहैजो खुलेमें जीवन यापनकररहेहैं।सरकारबहुतईमानदारी से इसकीसमीक्षा कररहीहै।उन्होंनेकहाकिभारतआजविकास की लॉन्चिंगपैडपरबैठाहै।प्रोफेसर सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना के सैद्धांतिकपहलुओंपरजोरदिया।साथहीभारत के उदारवादीऔरनवउदारवादीमॉडल की विशेषताओं का भीउल्लेख किया।विकास के गुजरातमॉडलतथाइसकेपूर्व की सरकारों द्वाराबनाए गए मॉडल के बारेमेंतुलनात्मकबातेंबताई। 1991 के पहले की लाइसेंसप्रणाली के बारेमेंअमर्त्य सेन के आर्थिकमॉडलऔरतथामानवसंसाधन के विभिन्नपहलुओंपरचर्चाकी।

पात्र लोगोंकोसुलभकरायेजारहेहैं प्रधानमंत्री आवास–विधायक

मुख्य अतिथिश्रीगुरु प्रसादमौय

कार्यक्रम के मुख्य अतिथिफाफामऊविधानसभा क्षेत्र के विधायकश्रीगुरु प्रसादमौर्य ने प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयनतथाउपलब्धता से अवगतकराया।उन्होंनेकहाकिसरकार की मंशाहैकिपात्र लोगोंको उनके रहने के लिए आवाससुलभहों।इसीलिए इसकेवितरणमेंभीपूर्णपारदर्शिताबरतीजारहीहै।उन्होंनेकहाकिसरकार की अन्य अनेक योजनाओंको घर–घरतकपहुंचाने के लिए उनकीसरकार कृत संकल्पितहै।उन्होंनेकुलपतिप्रोफेसर सिंह की सराहनाकरतेहुए कहाकि उनके नेतृत्वमेंविश्वविद्यालय गोदलिए गांवोंमेंमहिलासाक्षरता की दिशामेंअनूठाप्रयासकररहाहै।

शोध कार्यमेंसामाजिकसरोकार जरूरी : प्रोफेसरसीमा सिंह

माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षताकरतेहुए उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह ने कहाकि प्रधानमंत्री आवास योजनामेंमहिलाओंकोआवासमिलनामहिलासशक्तिकरण का सबसेबड़ाउदाहरणहै। इस योजना से इनमहिलाओं के अंदरआत्मविश्वासमेंवृद्धि होरहीहैतथाउनकापरिवारभीआत्मनिर्भरहोरहाहै।प्रोफेसर सिंह ने कहाकि जीवन जीने के लिए आवास की जोआवश्यकताहैउसकोसरकारपूर्णकररहीहै।उन्होंने शोधार्थियों का आह्वानकियाकिवह ऐसा शोध करेंजोसमाजकोमददकरनेवालाहो।प्रोफेसर सिंह ने कहाकिसामाजिकसरोकार यदि शोध मेंनहींहोगातोउसकाकोईमतलबनहींहै।केवलपुस्तकालय मेंजाकर शोध कोसुशोभितकियाजाए तोइसकाकोईफायदानहींहै।मुक्तविश्वविद्यालय सामाजिकसरोकारोंकोलेकरआगे बढ़ रहाहै।इसकेलिए उन्होंने यहां के शिक्षकों एवं शोधार्थियों की सराहनाकी।

धन्यवादज्ञापितकरतेहुए कर्नलविनय कुमार

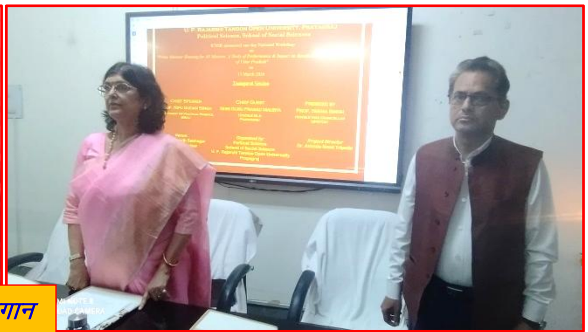

राष्ट्रगान

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

तकनीकी सत्र

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाजविज्ञानविद्याशाखा द्वाराआयोजित एकदिवसीय कार्यशाला के प्रथमतकनीकी सत्र मेंसर्वप्रथमपरियोजनानिदेशक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने सत्र के मुख्य वक्ता डॉ सूर्यभान सिंह एवं सत्र की अध्यक्षताकररहेप्रोफेसरसंतोषाकुमार का पुष्पगुच्छ से स्वागतकिया।तत्पश्चातमुख्य वक्ता डॉ सूर्यभान सिंह ने सरकारीकल्याणकारीनीतियों के सैद्धांतिकपक्षोंपरप्रकाशडाला।उन्होंनेकहाकिभारतदेशअपनेस्वभावमेंहीलोकतांत्रिक हैऔर प्रधानमंत्री आवास योजना इस लोकतंत्र का मूर्त रूपहै।उन्होंने यह भीबतायाकिइनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सरकारराष्ट्र निर्माण की ओरतेजी से अग्रसरहै। सत्र की अध्यक्षताकररहेप्रोफेसरसंतोषकुमार ने सर्वप्रथमउक्तपरियोजना के निदेशक डॉ आनंदानंद त्रिपाठीको धन्यवाददियाजिनकेअथकप्रयास से विद्याशाखा को यह परियोजनाप्राप्तहुईऔरजिनकेकुशलनेतृत्वमें इस कार्यशाला का आयोजनहुआ।तबपश्चातउन्होंनेमुख्य वक्ता डॉ सूर्यभान सिंह के वक्तव्य के मुख्य बिंदुओंकोउजागरकरतेहुए कहाकि इस प्रकार की कल्याणकारी योजनाएंराष्ट्र के विकासमेंअपना योगदान दे रहीहैंऔरसाथहीगरीब, युवा, अन्नदाताऔरनारी के उत्थान की दिशामेंकार्यकररहेहैं।

द्वितीय तकनीकी सत्र मेंपरियोजनानिदेशक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने सर्वप्रथम सत्र के मुख्य वक्ता डॉ देवेशरंजन त्रिपाठी एवं सत्र की अध्यक्षताकररहेप्रोफेसरपीकेपांडे का पुष्पगुच्छदेकरस्वागतकिया।तत्पश्चात सत्र के मुख्य वक्ता डॉ देवेशरंजन त्रिपाठी, उपाचार्य, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा ने प्रबंधन एवंतकनीक की विशेषताओं से युक्त प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रमुख बिंदुओंपरप्रकाशडाला।साथहीउन्होंनेविभिन्नआंकड़ों के माध्यम से यह दर्शायाकि यह परियोजनाअपने लक्ष्य की प्राप्ति की ओरसशक्त रूप से अग्रसरहै। सत्र की अध्यक्षताकरतेहुए प्रोफेसरपीकेपांडेय ने कहाकि शोध का कार्यज्ञान का सृजन एवंसमस्याओं का समाधानहै।उन्होंनेबतायाकिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय शोध अनुमतिमिलने के बाद से ही शोध की दिशामेंप्रगतिशीलहैऔरनिरंतरही यहां के शिक्षकों द्वाराविभिन्नप्रकार के परियोजनाओं का कुशलसंचालनकियाजारहाहै।दोनोंतकनीकि सत्रों का संचालन डॉ0 त्रिविक्रमतिवारी ने किया।

समापन सत्र

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 सुनीलकुमार

माननीय अतिथियों का स्वागतसम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

समापन सत्र के मुख्य वक्ताप्रोफेसर मधुरेंद्रकुमार, निदेशकदीनदयाल शोध पीठ, इलाहाबादविश्वविद्यालय रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षताप्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाजविज्ञानविद्या शाखा ने किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ सुनीलकुमार ने तथा धन्यवाद डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया।कार्यक्रममेंविश्वविद्यालय के समस्तविद्याशाखाओं के निदेशकगण, आचार्यगण, सहआचार्यगण, सहायकआचार्य एवंसमस्त शोधार्थीउपस्थितरहे।

बिनामकान के व्यक्ति के जीवन की कल्पनानहीं की जासकती : प्रोफेसर मधुरेंद्रकुमार

समापन सत्र के मुख्य वक्ताप्रोफेसर मधुरेद्रकुमारनिदेशकदीनदयाल शोध पीठइलाहाबादविश्वविद्यालय इलाहाबादरहे।प्रोफेसरकुमार ने पीएमआवास योजना की विभिन्नपहलुओंपरविस्तृतप्रकाशडालातथाकहां की आज बढ़ती शहरीकरण जीवन के लिए आवासकितना जरूरी है यह रोड के किनारे या झुग्गीझोपड़ीमेंरहतेहुए लोगोंको देखकरलगायाजासकताहै।क्योंकिमानव जीवन की तीनआवश्यकताएंहमबचपन से हीसामाजिकविज्ञान की किताबोंमेंपढ़ने चलेआए है।वहतीनआवश्यकताएंहैंरोटीकपड़ाऔरमकानबिनामकान के व्यक्ति के जीवन की कल्पनानहीं की जासकती। इस रिसर्च के माध्यम से यह दर्शायागयाहैकि प्रधानमंत्री आवास योजनामेंक्याकठिनाइयांउसमेंभ्रष्टाचार की क्यासंभावनाएंहैं, किसतरह से योगलाभार्थियोंको उनके आवासमिले योजनामेंकमियांक्याहैं। उन कमियोंकोकैसेदूरकियाजाए, उन कमियोंकोदूरकरतेहुए सहीउपयुक्तव्यक्तिकोआवासमिले, यह शोध कार्यसरकार के लिए काफीमददगारहै।क्योंकिव्यक्ति के जीवन का सबसेज्यादा खर्चआवासपरहीहोताहै, उच्चवर्ग एवं मध्यम वर्गकिसीभीतरह से अपनेआवास का निर्माणकरलेताहैकिंतुजोगरीबहैउसकेलिए शहरमेंआवासदुर्लभहै, यह तभीदूरहोगीजबपीएमआवास योजना के माध्यम से हमइनसभीकोआवासउपलब्ध कराजासके।

आवासमानव जीवन की एकआवश्यकता:प्रोफेसरसंतोषाकुमार

कार्यक्रम का अध्यक्षताकरतेहुए निदेशकसमाजविज्ञानविद्यासागरप्रोफेसरसंतोषाकुमार ने कहाकि मध्यकालीनभारत से वर्तमानतकनगरीकरणपरप्रकाशडालाऔरकहाकिनगरीकरणपहलेभीथाअभीभीहैक्यावर्तमानपरिपेक्ष मेंहमउसे लक्ष्य कोप्राप्तकररहेहैंइसमेंजोकमियांहै उन कमियोंकोकैसेदूरकियाआवासमानव जीवन की एक आवश्यकताआवासउपलब्ध होनेपरहीव्यक्ति की विभिन्नआवश्यकताओं की पूर्ति की जासकतीहैजैसेकिबिजली ,पानी ,शौचालय , स्वच्छईंधन,इसकेबिनाव्यक्ति की जीवन की कल्पनानहीं की जासकती।

धन्यवादज्ञापितकरतेहुए डॉ0आनंदानंद त्रिपाठी

Indian Council of Social Science Research (ICSSR) Sponsored
One Day National Workshop
on
"Prime Minister Housing for All Mission : A Study of Performance & Impact on Beneficiaries in Selected Cities of Uttar Pradesh"
(To Disseminate the Findings of the ICSSR Sponsored Short- Term Empirical Individual Research Project)
Organized by
Political Science, School of Social Sciences
U.P.R.T.O.U., Prayagraj
on
Date - March 13, 2024
Venue-
Tilak Shastrarth Sabhagar, Saraswati Parisar
U.P.R.T.O.U., Prayagraj

Indian Council of Social Science Research (ICSSR) Sponsored
One Day National Workshop
on
"Prime Minister Housing for All Mission : A Study of Performance & Impact on Beneficiaries in Selected Cities of Uttar Pradesh"
(To Disseminate the Findings of the ICSSR Sponsored Short- Term Empirical Individual Research Project)
Date - March 13, 2024
Venue-
Tilak Shastrarth Sabhagar, Saraswati Parisar
U.P.R.T.O.U., Prayagraj

Date - March 13, 2024
U.P.R.T.O.U., Prayagraj
GPS Map Camera
Korsand, Uttar Pradesh, India

One Day National Workshop
"Prime Minister Housing for All Mission : A Study of Performance & Impact on Beneficiaries in Selected Cities of Uttar Pradesh"
Date - March 13, 2024
GPS Map Camera
Korsand, Uttar Pradesh, India

3 राजधानी आईआईएम का 38वां दीक्षांत समारोह 16 मार्च को | 6 अभिमत शिक्षक कल्याण को प्राथमिकता | 11 विदेश अमेरिका को प्रवासी भारतीयों की जरूरत | 12 स्पोर्ट्स अश्विन आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के शीर्ष गेंदबाज

RNI NO.UPHIN/2010/36547

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

भाजपा के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिया गया
राष्ट्रीय-10

शोध कार्य में सामाजिक सरोकार जरूरीः प्रो सीमा सिंह

● पात्र लोगों को सुलभ कराए जा रहे प्रधानमंत्री आवासत्र विधायक ●प्रधानमंत्री आवास मिशन पर मुक्त विश्वविद्यालय में हुई कार्यशाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित लघु शोध परियोजना के अन्तर्गत प्राइम मिनिस्टर हाउसिंग फॉर ऑल मिशन ए स्टडी ऑफ परफॉर्मेंस एंड इंपैक्ट ऑन बेनिफिसियरीज इन सैलेक्टेड सिटीज इन उत्तर प्रदेश विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं को आवास मिलना महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस योजना से इन महिलाओं के अंदर आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है तथा उनका परिवार भी आत्मनिर्भर हो रहा है। प्रो सिंह ने कहा कि जीवन जीने के लिए आवास की जो आवश्यकता है उसको सरकार पूर्ण कर रही है। उन्होंने शोधार्थियों का आह्वान किया कि वह ऐसा शोध करें जो समाज को मदद करने वाला हो। प्रो सिंह ने कहा कि सामाजिक सरोकार यदि शोध में नहीं होगा तो उसका कोई मतलब नहीं है। केवल पुस्तकालय में जाकर शोध को सुशोभित किया जाए तो इसका कोई फायदा नहीं है। मुक्त विश्वविद्यालय सामाजिक सरोकारों को लेकर आगे बढ़ रहा है। इसके लिए उन्होंने यहां के शिक्षकों एवं शोधार्थियों की सराहना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन तथा उपलब्धता से अवगत कराया। सरकार की मंशा है कि पात्र लोगों को उनके रहने के लिए आवास सुलभ हों। इसीलिए इसके वितरण में भी पूर्ण पारदर्शिता बरती जा रही है। सरकार की अन्य अनेक योजनाओं को घर.घर तक पहुंचाने के लिए उनकी सरकार कृत संकल्पित है। उन्होंने कुलपति प्रो सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय गोद लिए गांवों में महिला साक्षरता की दिशा में अनूठा प्रयास कर रहा है। मुख्य वक्ता प्रो रिपु सूदन सिंह राजनीति विज्ञान विभाग बाबासाहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा कि आवास का मुद्दा बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाता है। 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब सभी को रहने के लिए आवास सुलभ होंगे। सरकार का ध्यान उन वर्गों पर है जो खुले में जीवन यापन कर रहे हैं। सरकार बहुत ईमानदारी से इसकी समीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज विकास की लॉन्चिंग पैड पर बैठा है। प्रो सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना के सैद्धांतिक पहलुओं पर जोर दिया। भारत के उदारवादी और नव उदारवादी मॉडल की विशेषताओं का भी उल्लेख किया। विकास के गुजरात मॉडल तथा इसके पूर्व की सरकारों द्वारा बनाए गए मॉडल के बारे में तुलनात्मक बातें बताई। 1991 के पहले की लाइसेंस प्रणाली के बारे में अमर्त्य सेन के आर्थिक मॉडल और तथा मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। प्रारम्भ में निकेत सिंह ने सरस्वती वंदना की संगीतमय प्रस्तुति की। समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो एस कुमार ने मंचासीन विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत तथा परियोजना निदेशक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत

हिन्दी दैनिक

सिर्फ सच के साथ

गुरुवार 14 मार्च 2024 प्रयागराज, वर्षः 24, अंकः 76, पेजः 12 , मूल्यः 3.00 रूपए

www.facebook.com/ubepaper unitedbharat21@gmail.com

मास्टर ट्रेनरों को ईवीएम का दिया गया प्रशिक्षण 05

रोहिंग्याओं के पक्षधर कर रहे हैं सीएए का विरोधः भाजपा 12

शोधकार्य में सामाजिक सरोकार जरूरी : प्रो. सीमा सिंह

पात्र लोगों को सुलभ कराये जा रहे प्रधानमंत्री आवास-गुरूप्रसाद मौर्य
भारत आज विकास की लॉन्चिंग पैड पर : प्रो. रिपू सूदन सिंह
प्रधानमंत्री आवास मिशन पर मुक्त विवि में हुई कार्यशाला

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं को आवास मिलना महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस योजना से इन महिलाओं के अंदर आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है तथा उनका परिवार भी आत्मनिर्भर हो रहा है। जीवन जीने के लिए आवास की जो आवश्यकता है उसको सरकार पूर्ण कर रही है। उक्त विचार मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने व्यक्त किया। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित लघु शोध परियोजना के अन्तर्गत ''पीएम हाउसिंग फॉर ऑल मिशन ए स्टडी ऑफ परफॉर्मेंस एंड इंपैक्ट ऑन बेनिफिसियरीज इन सैलेक्टेड सिटीज इन उप्र'' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने शोधार्थियों का आह्वान किया कि वह ऐसा शोध करें जो समाज की मदद करने वाला हो। सामाजिक सरोकार यदि शोध में नहीं होगा तो उसका कोई मतलब नहीं है। केवल पुस्तकालय में जाकर शोध को सुशोभित किया जाए तो इसका कोई फायदा नहीं है। मुक्त विवि सामाजिक सरोकारों को लेकर आगे बढ़ रहा है। इसके लिए उन्होंने यहां के शिक्षकों एवं शोधार्थियों की सराहना की। फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन तथा उपलब्धता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि पात्र लोगों को उनके रहने के लिए आवास सुलभ हो। इसीलिए इसके वितरण में भी पारदर्शिता बरती जा रही है। उन्होंने कहा सरकार की अन्य अनेक योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए उनकी सरकार कृत संकल्पित है।

उन्होंने कुलपति की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय गोद लिए गांवों में महिला साक्षरता की दिशा में अनूठा प्रयास कर रहा है। प्रोफेसर रिपु सूदन सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर विश्व विद्यालय लखनऊ ने कहा कि आवास का मुद्दा बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाता है। 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब सभी को रहने के लिए आवास सुलभ होंगे। सरकार का ध्यान उन वर्गों पर है जो खुले में जीवन यापन कर रहे हैं। सरकार बहुत ईमानदारी से इसकी समीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज विकास की लॉन्चिंग पैड पर बैठा है। उन्होंने विकास के गुजरात मॉडल तथा इसके पूर्व की सरकारों द्वारा बनाए गए मॉडल के बारे में तुलनात्मक बातें बताई। 1991 के पहले की लाइसेंस प्रणाली के बारे में अमर्त्य सेन के आर्थिक मॉडल और तथा मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. एस कुमार ने विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत तथा परियोजना निदेशक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संचालन डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर सूर्यभान सिंह, इविवि राजनीति विज्ञान विभाग तथा समापन सत्र के मुख्य वक्ता प्रो.मधुरेंद्र कुमार निदेशक दीनदयाल शोध पीठ इविवि रहे। अध्यक्षता प्रो. एस कुमार निदेशक समाज विज्ञान विद्या शाखा ने किया।

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण hpshukla50@gmail.com गुरुवार, 14 मार्च 2024

सबसे तेज प्रयागराज | प्रयागराज | गुरुवार , 14 मार्च 2024 | 3

शोध कार्य में सामाजिक सरोकार जरूरीः प्रोफेसर सीमा सिंह

पात्र लोगों को सुलभ कराये जा रहे हैं प्रधानमंत्री आवास- विधायक।
भारत आज विकास की लॉन्चिंग पैड परः प्रोफेसर रिपू सूदन सिंह।
प्रधानमंत्री आवास मिशन पर मुक्त विश्वविद्यालय में हुई कार्यशाला

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में बुधवार को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित लघु शोध परियोजना के अन्तर्गत प्राइम मिनिस्टर हाउसिंग फॉर ऑल मिशनः ए स्टडी ऑफ परफॉर्मेंस एंड इंपैक्ट ऑन बेनिफिसियरीज इन सैलेक्टेड सिटीज इन उत्तर प्रदेश विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं को आवास मिलना महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा उदाहरण है। इस योजना से इन महिलाओं के अंदर आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है तथा उनका परिवार भी आत्मनिर्भर हो रहा है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि जीवन जीने के लिए आवास की जो आवश्यकता है उसको सरकार पूर्ण कर रही है। उन्होंने शोधार्थियों का आह्वान किया कि वह ऐसा शोध करें जो समाज को मदद करने वाला हो। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि सामाजिक सरोकार यदि शोध में नहीं होगा तो उसका कोई मतलब नहीं है। केवल पुस्तकालय में जाकर शोध को सुशोभित किया जाए तो इसका कोई फायदा नहीं है। मुक्त विश्वविद्यालय सामाजिक सरोकारों को लेकर आगे बढ़ रहा है। इसके लिए उन्होंने यहां के शिक्षकों एवं शोधार्थियों की सराहना की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फाफामऊ विधानसभा क्षेत्र के विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन तथा उपलब्धता से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि पात्र लोगों को उनके रहने के लिए आवास सुलभ हों। इसीलिए इसके वितरण में भी पूर्ण पारदर्शिता बरती जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की अन्य अनेक योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए उनकी सरकार कृत संकल्पित है। उन्होंने कुलपति प्रोफेसर सिंह की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय गोद लिए गांवों में महिला साक्षरता की दिशा में अनूठा प्रयास कर रहा है।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर रिपु सूदन सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, बाबासाहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा कि आवास का मुद्दा बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह लोगों के जीवन में गुणात्मक परिवर्तन लाता है। 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब सभी को रहने के लिए आवास सुलभ होंगे। सरकार का ध्यान उन वर्गों पर है जो खुले में जीवन यापन कर रहे हैं। सरकार बहुत ईमानदारी से इसकी समीक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज विकास की लॉन्चिंग पैड पर बैठा है। प्रोफेसर सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना के सैद्धांतिक पहलुओं पर जोर दिया। साथ ही भारत के उदारवादी और नव उदारवादी मॉडल की विशेषताओं का भी उल्लेख किया। विकास के गुजरात मॉडल तथा इसके पूर्व की सरकारों द्वारा बनाए गए मॉडल के बारे में तुलनात्मक बातें बताई। 1991 के पहले की लाइसेंस प्रणाली के बारे में अमर्त्य सेन के आर्थिक मॉडल और तथा मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

प्रारम्भ में निकेत सिंह ने सरस्वती वंदना की संगीतमय प्रस्तुति की। समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने मंचासीन विशिष्टजनों का वाचिक स्वागत तथा परियोजना निदेशक डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ देवेश रंजन त्रिपाठी ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर सूर्यभान सिंह, राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा समापन सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर मधुरेंद्र कुमार, निदेशक दीनदयाल शोध पीठ, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुनील कुमार ने तथा धन्यवाद डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखाओं के निदेशकगण, आचार्यगण, सह आचार्यगण, सहायक आचार्य एवं समस्त शोधार्थी उपस्थित रहे।

शोध कार्य में सामाजिक सरोकार जरूरी: प्रोफेसर सीमा सिंह। - AT Samachar
त्रिभुवन नाथ शर्मा की रिपोर्ट Prayagraj,up: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्या शाखा के...
atsamachar.com

शोध कार्य में सामाजिक सरोकार जरूरी: प्रोफेसर सीमा सिंह।

https://atsamachar.com/social-concern-is-important-in-research-work-professor-seema-singh/

22:49

दैनिक जागरण

राष्ट्रोत्थान में बनें भागीदार

चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है। इसमें वोट सबसे बड़ी ताकत है। एक वोट के जरिए हम राष्ट्र के उत्थान में भागीदार बन सकते हैं। हमारा वोट देश के विकास में अमूल्य योगदान देता है। मताधिकार का प्रयोग न करना अपराध है। आपके मतदान न करने से गलत व्यक्ति का चुनाव हो सकता है। जो राष्ट्र व समाज के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा।

-प्रो. सीमा सिंह, कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय

दिनांक14 मार्च, 2024

समस्तराज्य/निजीविश्वविद्यालय, उत्तरप्रदेश के सभीविश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, कुलसचिवगण, क्रिस्पसंस्था एवंअन्य सभीसंबंधित के साथ NISHE (National Initiative for Skill Integrated Higher Education) परचर्चाकरनेहेतुवर्चुअलबैठक

माननीयाकुलपति, प्रोफेसरसीमा सिंह

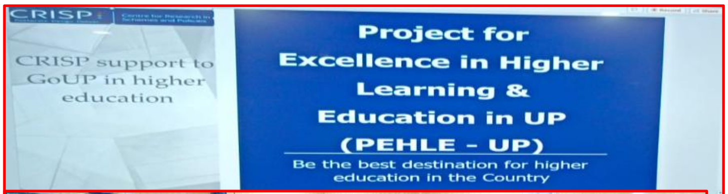

उत्तरप्रदेश शासन द्वारासमस्तराज्य/निजीविश्वविद्यालय, उत्तरप्रदेश के सभीविश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, कुलसचिवगण, क्रिस्पसंस्था एवंअन्य सभीसंबंधित के साथNISHE (National Initiative for Skill Integrated Higher Education)परचर्चाकरनेहेतुदिनांक 14 मार्च, 2024 कोपूर्वाह्न 11:00 बजे से मध्यान्ह 12:30 बजेतक निर्धारितवर्चुअलगूगलमीट से बैठकआहूत की गई।

उक्तबैठकमें उ0 प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीयाकुलपति, प्रोफेसरसीमा सिंह, निदेशक, सीका, प्रोफेसरआशुतोषगुप्ता, कुलसचिव, कर्नलविनय कुमार सिंह आदि ने बैठकमेंप्रतिभाकिया।

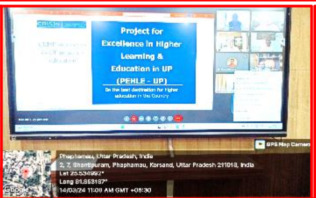

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक15 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रबरेलीपरमोबाइलवितरणकार्यक्रम का आयोजन

क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली पर आज छात्र-छात्राओं को मोबाइल का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर वी. पी. सिंह **पूर्व प्रति-कुलपति तथा वर्तमान में लोकपाल, महात्मा ज्योतिबा फूले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली** रहे। इस अवसर पर प्रोफेसर सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद दिया तथा यह भी बताया कि अब समाज में दूरस्थ शिक्षा के बारे में जो भ्रांतियां चली आ रही थीं वह दूर हुई है तथा **संस्थागत शिक्षा और दूरस्थ शिक्षा** में कोई भेदभाव नहीं है सभी को समान अवसर प्रदान किये जा रहे हैं। इस अवसर पर सभी छात्र-छात्राओं ने प्रतिज्ञा ली कि इस सत्र एवं आगामी सत्र में कम से कम दो छात्रों का प्रवेश अपने विश्वविद्यालय राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कराएंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आर.बी. सिंह एवं सभी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
|| सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ||
दिनांक15 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रआजमगढ़ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रकेंद्रआजमगढ द्वारा दिनांक 15 मार्च, 2024 कोरामभजनडिग्रीकॉलेजमऊमेंनामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजनकियागया।जिसमेंआजमगढ क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसंतोषकुमार ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी।उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस अवसरपरआजमगढ के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 प्रेमप्रकाशकुशवाहा ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी।कार्यक्रम के अंत मेंराजेश सिंह में धन्यवादज्ञापनदिया।

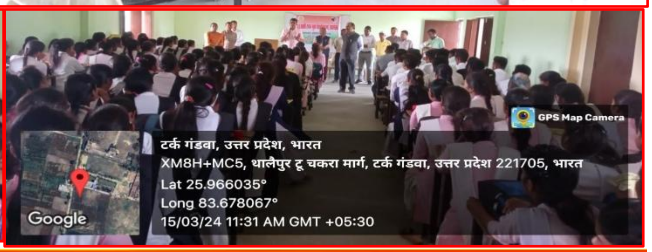

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रआजमगढ़ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजन

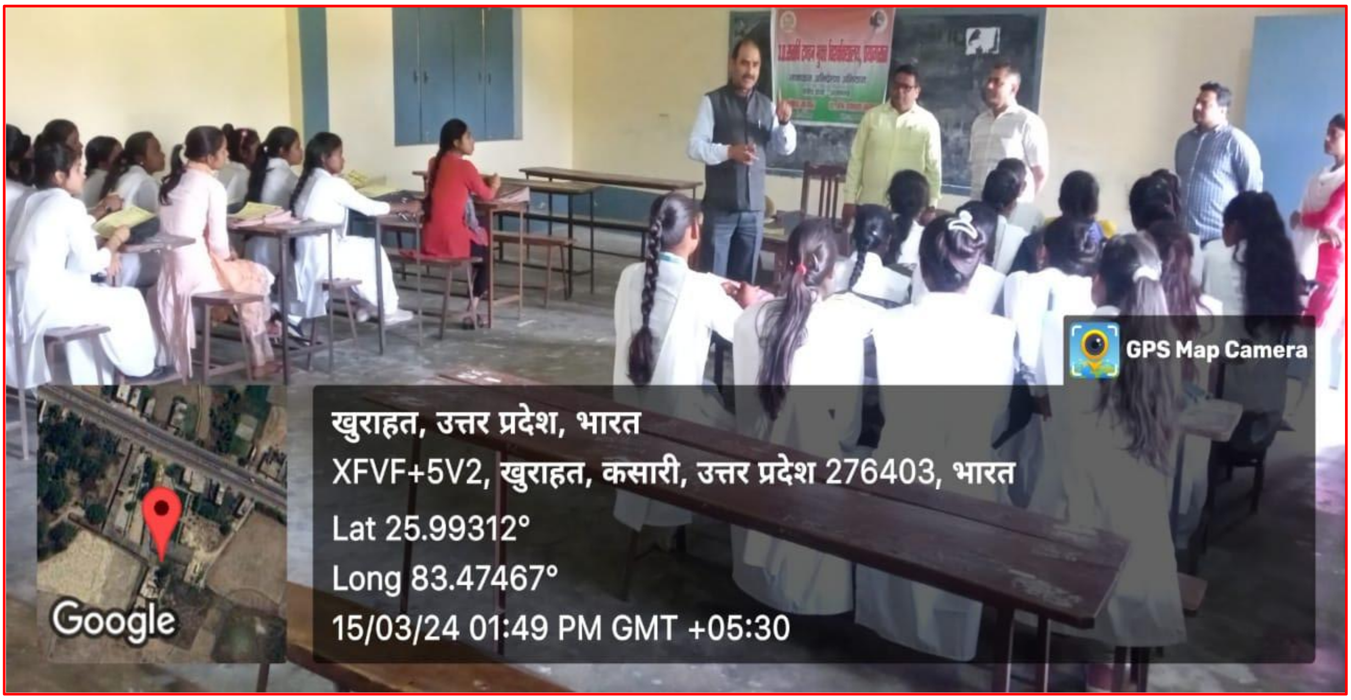

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केन्द्रआजमगढ़ द्वारादिनांक 15 मार्च, 2024 कोमहर्षिबाबालोधीदासमहाविद्यालय खुरहट, मऊमेंनामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजनकियागया।कार्यक्रममेंकरीब 150 छात्र–छात्रायें शामिलहुए।कार्यक्रममेंआजमगढ के क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारी, प्रोफेसरसंतोषकुमार ने विश्वविद्यालय के विभिन्नपाठ्यक्रमों के विषय मेंबतायातथाकिसप्रकार एडमिशनहोताहै, उसकीभीचर्चाकी।आजमगढ के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक, डॉ0 प्रेमप्रकाशकुशवाहा एवंसहायकआचार्य, डॉ0 राजेश सिंह के द्वाराभीविश्वविद्यालय के विषय मेंजानकारीदीगयी। अंत मेंमहाविद्यालय के प्रधानाचार्य, डॉ0 संजय कुमारउपाध्याय ने धन्यवादज्ञापितकिया।

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रआजमगढ़ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियान एवंमोबाइलवितरणकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केन्द्रआजमगढ़ द्वारादिनांक 15 मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रपृथ्वीराजचौहानमहाविद्यालय, मऊनाथभंजन, मऊमेंनामांकनअभिप्रेरणअभियान एवंमोबाइलवितरणकार्यक्रम का आयोजनकियागया।उक्तकार्यक्रममें क्षेत्रीय केन्द्रआजमगढ़ के प्रभारीप्रोफेसरसंतोषकुमार ने विश्वविद्यालय के विभिन्नपाठ्यक्रमों के विषय मेंबतायातथाकिसप्रकारप्रवेशहोताहैउसकीभीचर्चाकी।प्रोफेसरसंतोषकुमार ने कहाकिआपलोग इस विश्वविद्यालय के विभिन्नपाठ्यक्रमोंमेंनईशिक्षा नीति–2020 के तहतनामांकनलेकरअपनेकरियरको नए आयाम दे सकतेहैं। इस अवसरपर क्षेत्रीय केन्द्रआजमगढ़ के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 प्रेमप्रकाशकुशवाहा ने विश्वविद्यालय के उद्देश्यों एवं एकलविषय मेंनामांकनविषय मेंजानकारीदी।कार्यक्रम के अंत मेंसहायकआचार्य डॉ0 राजेश सिंह में धन्यवादज्ञापनकिया।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
दिनांक16 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रआजमगढ़ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रकेंद्रआजमगढ द्वारा दिनांक 16 मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रश्रीबजरंगस्नातकोत्तरमहाविद्यालय, दादरआश्रम, सिकंदरपुरबलियामेंनामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजनकियागया।जिसमेंआजमगढ क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसंतोषकुमार ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी।उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस अवसरपरआजमगढ के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 प्रेमप्रकाशकुशवाहा ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी।इस मौकेपरसहायकआचार्यराजेश सिंह के साथ–साथप्राचार्यप्रोफेसरउदय पासवान, अध्ययन केन्द्रसमन्वयक, डॉ. उमाकांत यादव, प्राध्यापक सहायकप्रोफेसर, डॉ. दिलीपकुमार, डॉचन्द्रप्रकाश, डा. ज्ञानप्रकाश, डा. रघुनाथ शरण सिंह उपस्थितरहे।

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रआजमगढ़ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केन्द्रआजमगढ़ द्वारादिनांक 16 मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्ररामधारी सिंह महाविद्यालय गड़वार , सिकंदरपुरबलियामेंनामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजनकियागया।कार्यक्रममेंआजमगढ के क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारी, प्रोफेसरसंतोषकुमार ने विश्वविद्यालय के विभिन्नपाठ्यक्रमों के विषय मेंबतायातथाकिसप्रकार एडमिशनहोताहै, उसकीभीचर्चाकी।आजमगढ के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक, डॉ0 प्रेमप्रकाशकुशवाहा एवंसहायकआचार्य, डॉ0 राजेश सिंह के द्वाराभीविश्वविद्यालय के विषय मेंजानकारीदीगयी। धन्यवादज्ञापनसहायकआचार्यराजेश सिंह ने किया।

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रआजमगढ़ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केन्द्रआजमगढ़ द्वारादिनांक 16 मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रमां फूलादेवीकन्यामहाविद्यालय, तिलौलीबलियामेंनामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजनकियागया।कार्यक्रममेंकरीब 150 छात्र–छात्रायें शामिलहुए।कार्यक्रममेंआजमगढ के क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारी, प्रोफेसरसंतोषकुमार ने विश्वविद्यालय के विभिन्नपाठ्यक्रमों के विषय मेंबतायातथाकिसप्रकार एडमिशनहोताहै, उसकीभीचर्चाकी।आजमगढ के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक, डॉ0 प्रेमप्रकाशकुशवाहा एवंसहायकआचार्य, डॉ0 राजेश सिंह के द्वाराभीविश्वविद्यालय के विषय मेंजानकारीदीगयी। धन्यवादज्ञापनसहायकआचार्यराजेश सिंह ने किया।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक16 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रआजमगढ़ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रकेंद्रआजमगढ द्वारा दिनांक 16 मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र श्रीमती फुलेहरास्मारकमहिलापीजीकॉलेजकमतैलारसड़ामेंनामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम के तहत एक कार्यशाला का आयोजनकियागया।जिसमेलगभग 300 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभागकिया।छात्र–छात्राओं ने विश्वविद्यालय से संबंधितअनेकोंअनेकप्रश्नकिए जिसकाउत्तरकार्यशाला के मुख्य अतिथिआजमगढ क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसंतोषकुमार ने दिया।कार्यक्रम की शुरुआतमुख्य अतिथि ने सरस्वती मां के चित्र परमाल्यार्पण एवंदीपप्रज्वलनकरकिया।अपने संबोधनमेंमुख्य अतिथिआजमगढ क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसंतोषकुमार ने कहाकिउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजउत्तरप्रदेश का एकमात्र मुक्तविश्वविद्यालय हैजिसकाकार्य क्षेत्र पूरेउत्तरप्रदेशमेंहैतथादूरस्थशिक्षा के माध्यम से शिक्षा कोप्रभावीबनाने का कार्यकरतीहैं।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 विनय कुमारगिरि ने कहाराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय परंपरागतशिक्षणप्रक्रियामेंवंचितआमलोगोको अध्ययन करने का मौकादेतीहै।कामकाजीमहिलाएं, घरेलूमहिलाओंकोभी यह आगे बढ़ने का अवसरप्रदानकरतीहै । इस अवसरपरआजमगढ के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 प्रेमप्रकाशकुशवाहा, कार्यक्रमसमन्वयकआशुतोषपाण्डेय, हीरालाल यादव, रविप्रकाशराव, शैलेंद्रपाण्डेय, मीना, सुमन ,सुनैनागुप्ता, सपनापाण्डेय, राजेशतिवारी, गोपाल सिंह, सुरेंद्रनाथपाण्डेय आदिउपस्थितरहे । कार्यक्रम का संचालनआशुतोषपाण्डेय ने किया।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक16 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रबरेलीपरमोबाइलवितरणकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्रबरेलीपरदिनांक 16 मार्च, 2024 कोछात्र–छात्राओंकोमोबाइल का वितरणकियागया। इस अवसरपरमुख्य अतिथिप्रो. आर. पी. सिंह पूर्वकुलपति, मेरठ, जोधपुरतथाअजमेरविश्वविद्यालय थे। इनके साथपूर्वप्रति–कुलपतितथावर्तमानमेंलोकपाल, महात्माज्योतिबाफूलेरोहिलखंडविश्वविद्यालय, बरेलीरहे। इस अवसरपर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आर.बी. सिंह एवंसभीकर्मचारीगणउपस्थितरहे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन
मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक 19 मार्च, 2024

मुविविमेंचुनावीसाक्षरताक्लब द्वारामतदाताजागरूकताकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंगठितचुनावीसाक्षरताक्लब द्वारामतदानसाक्षरता एवंजागरूकताहेतुदिनांक 19 मार्च, 2024 कोउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के सरस्वतीपरिसरस्थिततिलक शास्त्रार्थसभागारमेंमतदाताजागरूकताकार्यक्रम का आयोजनकियागया।कार्यक्रम का संचालनप्रो. पी. के. पाण्डेय द्वाराकियागया।कार्यक्रममेंचुनावीसाक्षरताक्लब के नोडलअधिकारीप्रोफेसरअजेंद्रकुमारमलिक ने शोधछात्रोंकोसंबोधितकरतेहुए मतदान के महत्वकोस्पष्टकिया एवंबतायाकिशिक्षितोंकोऔरअधिकजागरूकहोने की आवश्यकताहै, कार्यक्रममेंचुनावीसाक्षरताक्लब के सदस्यगण डॉ. मीरापाल (एसो.प्रो.), डॉ. सुरेन्द्रकुमार (असि.प्रो.), डॉ अतुल मिश्रा(असि.प्रो.) एवंश्रीराजेश सिंह (संयोजक) उपस्थितरहने के साथसभी ने मतदान के लिए शिक्षार्थियोंकोअभिप्रेरितकिया।

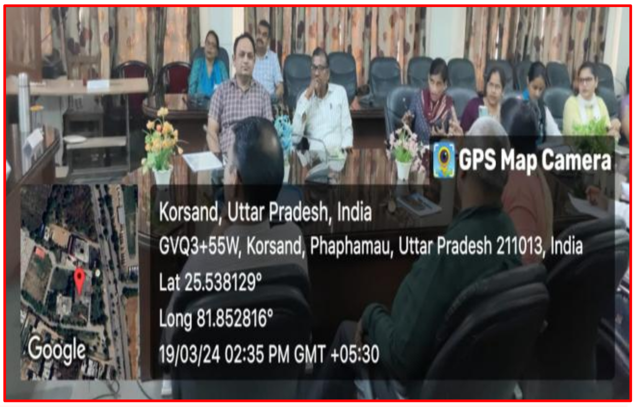

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक19 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या द्वारा जनपद के पूराबाजारमेंदिनांक 19 मार्च, 2024 कोअभिप्रेरणअभियान के तहतसीआरपीएफ के जवानोंकोअयोध्या क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसत्यपालतिवारी ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी ।उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस अवसरपरअयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 शशिभूषणराम त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी।

मुविवि के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गतउच्चशिक्षा के प्रसारहेतुराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय का अभिप्रेरणअभियान

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या द्वारा जनपद के पूराबाजारमेंदिनांक 19 मार्च, 2024 कोअभिप्रेरणअभियान का आयोजन अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसत्यपालतिवारी ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी। प्रोफेसरतिवारी ने बतायाकि

उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस अवसरपरअयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 शशिभूषणराम त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

दिनांक19 मार्च, 2024

मुविविमें''बौद्धिक सम्पदाअधिकार : अवधारणा एवंमहत्व'' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षणकार्यशाला का आयोजन

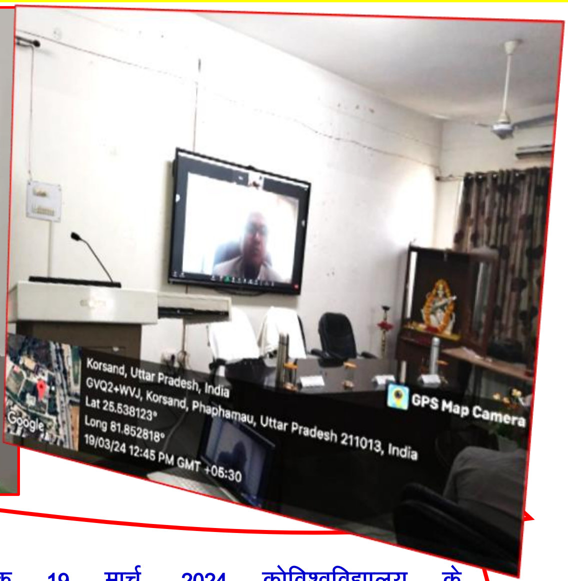

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारादिनॉक 19 मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के सरस्वतीपरिसरस्थिततिलक शास्त्रार्थसभागारमें ''बौद्धिक सम्पदाअधिकार : अवधारणा एवंमहत्व'' विषय पर शोध एवंविकासप्रकोष्ठ के तत्वाधानमें एक दिवसीय प्रशिक्षणकार्यशाला का आयोजनहुआ।कार्यशाला की अध्यक्षता प्रो0 सीमा सिंह, कुलपति, उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0 प्रयागराज ने की तथामुख्य वक्ता के रूपमें प्रो0 रमेशचन्द्रगौर, डीन (प्रशासन) इन्दिरागॉधीकलाकेन्द्र, नईदिल्ली ने ऑनलाइन माध्यम से प्रतिभागकिया।

मॉसरस्वती की प्रतिमापरमाल्यपर्ण एवंदीपप्रज्जवलनउपरान्त प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय, निदेशक, शोध एवंविकासप्रकोष्ठ द्वाराअतिथियों का औपचारिकस्वागतकियातथाकार्यशाला के विषय परभूमिकाकोरेखांकितकिया।

अन्तमेंकार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवादज्ञापन प्रो0 पी0के0पाण्डेय ने किया।कार्यक्रममेंशिक्षकों एवं शोधार्थियोंसहित 79 प्रतिभागियों ने प्रतिभागकिया। यह कार्यक्रमपूर्वान्ह् 11.45 बजे से सायं 5.00 बजेतकचला।

अतिथियों का औपचारिकस्वागततथाकार्यशाला के विषय परभूमिकाकोरेखांकितकरतेहुए निदेशक, शोध एवंविकासप्रकोष्ठ, प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय

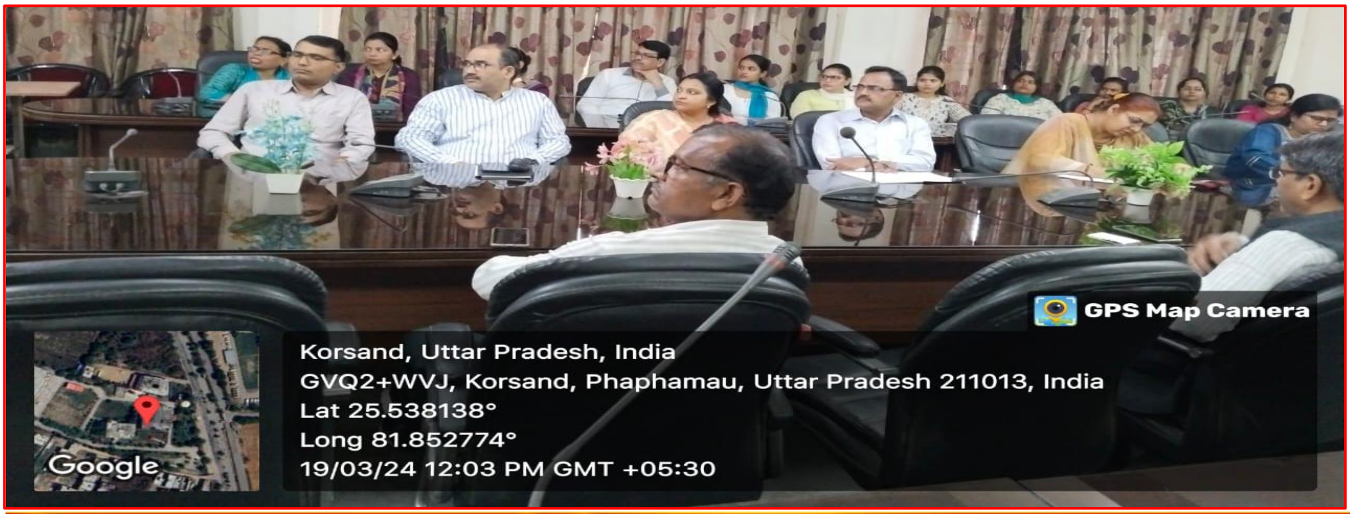

प्रथमतकनीकि सत्र मेंअपनेऑनलाइनउद्बोधन एवंपी.पी.टी. प्रदर्शितकरतेहुए मुख्य वक्ता प्रो0 रमेशचन्द्रगौरजी ने बौद्धिक सम्पदाअधिकार की अवधारणापरप्रकाशडालतेहुए नीतिगतप्रिप्रेक्ष्योंकोरेखांकितकिया।उन्होनेंअनुसंधानमेंनैतिकता की आवश्यकतापरजोरदेतेहुए शोध के विभिन्नपक्षोंमेंनैतिकताको अक्षुण्य बनाने के उपायोंकोभीसुझाया।

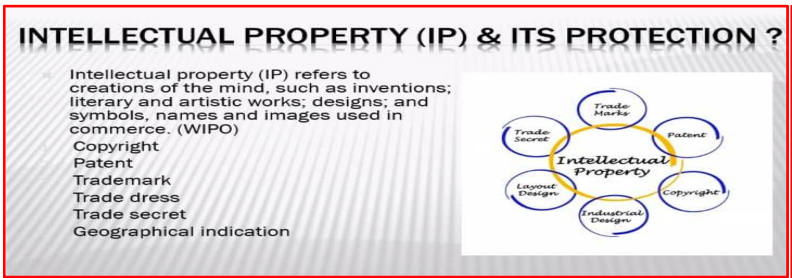

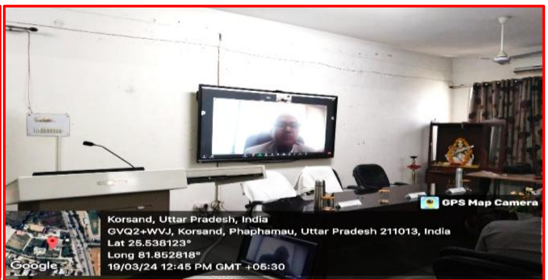

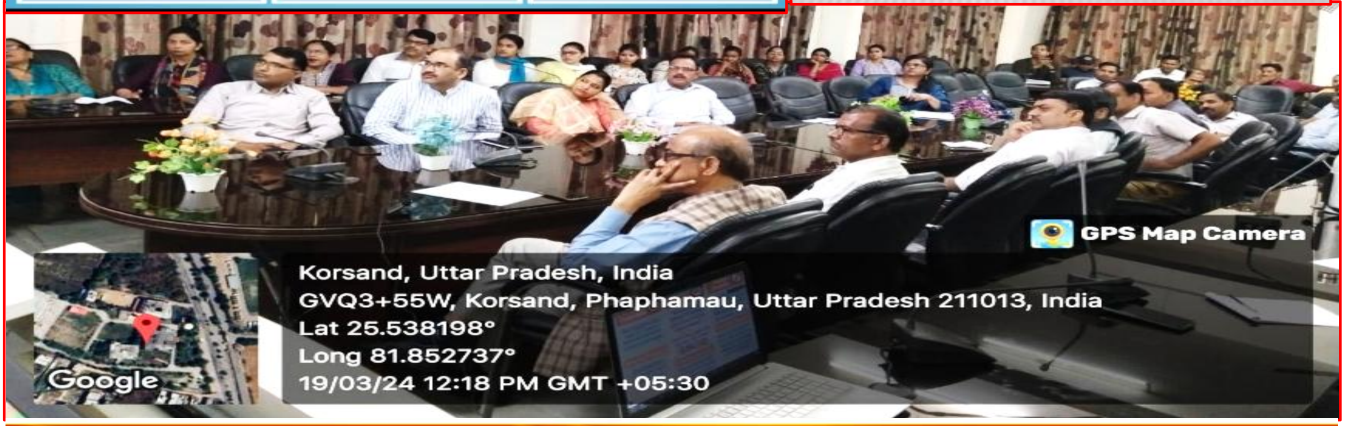

शोधनवीनविचारों, सिद्धांतों एवंप्रविधियों की खोज का एक साधनहै : प्रोफेसरसीमा सिंह

अपने अध्यक्षीय उद्बोधनमें प्रो0 सीमा सिंह, मा0 कुलपतिजी ने सभीप्रतिभागीशिक्षकों एवं शोधार्थियोंको शोध की गुणवत्ताउन्नतकरने का आवाहनकियातथा शोध मेंसत्यनिष्ठा के तत्वकोबनाए रखने के उपायोंकोबतायातथाउन्होंनेकहाकिशोधनवीनविचारों, सिद्धांतों एवंप्रविधियों की खोज का एक साधनहै।प्राफेसर सिंह ने शोध मेंनैतिकता, सत्यनिष्ठातथावस्तुनिष्ठतालानेपर बल दिया।उन्होंनेकार्यक्रम की आवश्यकता एवंसार्थकताकोस्पष्टकरतेहुए

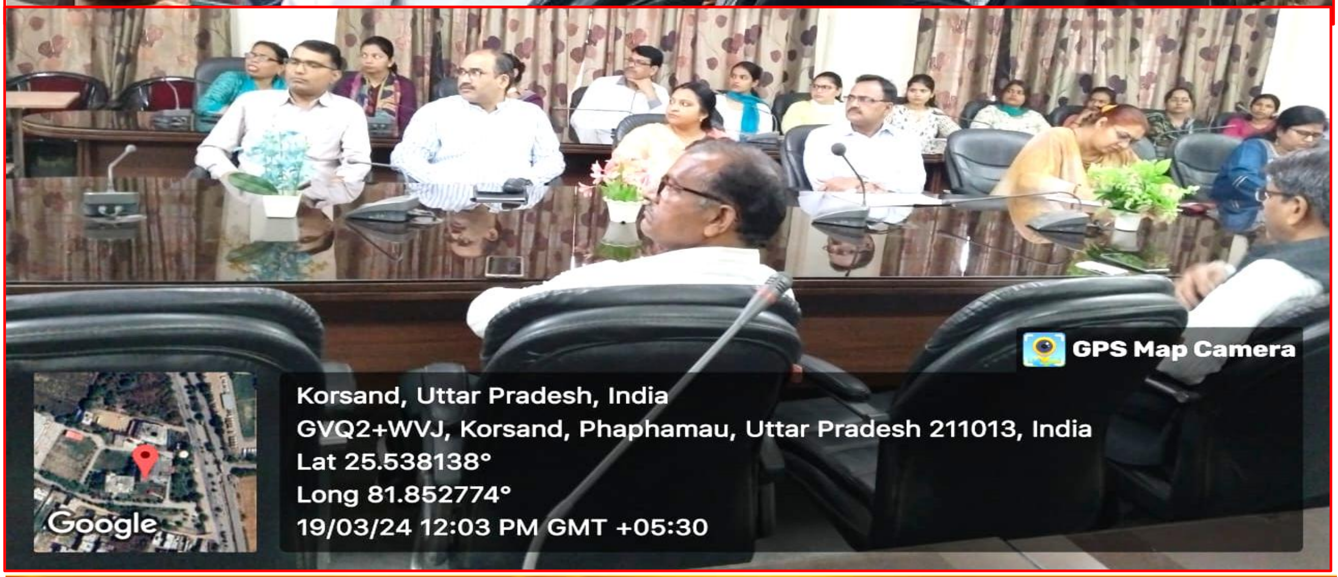

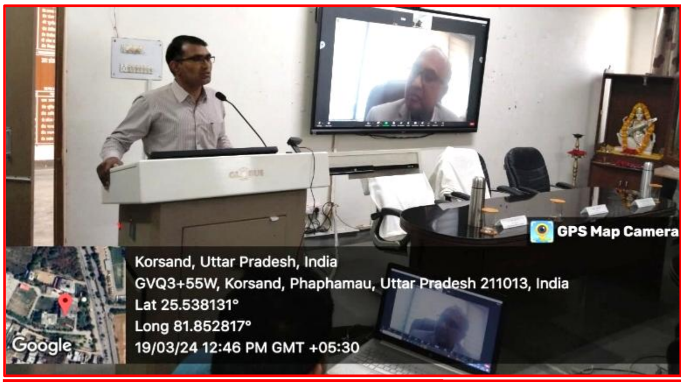

कार्यशाला के द्वितीय तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ के रूपमें डॉ0 रामजनममौर्य, प्रभारी, पुस्तकालयाध्यक्ष, उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0 प्रयागराज ने साहित्यिकचोरीजॉचप्रकिया एवंप्रकाशनमानको के सम्बन्ध मेंज्ञानात्मकपक्ष के साथ–साथकियात्मकपक्ष परप्रशिक्षणप्रदानकिया।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक20 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केन्द्रप्रयागराज द्वारा दिनांक20मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रप्रयागमहाविद्यालय, हेतापट्टीप्रयागराजपरअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजनकियागया।इस अवसरपरप्रयागरा के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयकडॉ0 अभिषेक सिंह ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी।उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं।कार्यक्रममें....... ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी।

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानमोबाइलवितरणकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रप्रयागराज द्वारा दिनांक20मार्च, 2024 कोअभिप्रेरणअभियान एवंमोबाइलवितरणकार्यक्रम का आयोजनविश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रदयाशंकरमहिलामहाविद्यालय, फूलपुरप्रयागराजमेंकियागया।प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी। इस अभियान के माध्यम से डॉ0 अभिषेक सिंह ने बतायाकिविश्वविद्यालय ने अपने शैक्षिक क्षेत्र मेंगरीबऔरपिछड़ेवर्ग के छात्रोंकोशिक्षा के प्रतिप्रेरितकियाहै। इस कदम का मुख्य उद्देश्य हैसमाज के हरवर्गकोउच्चशिक्षा के साथजोड़कर उनके भविष्य कोसशक्तबनाना।उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के प्रतिनिधि डॉशिवेन्द्रप्रताप सिंह , डॉ0 अमितकुमार सिंह, एवंश्रीअनुराग शुक्ला ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी।कार्यक्रममेंकालेज के प्रबन्धक,श्रीबसंतलाल यादव,शिक्षक एवंछात्रायेंउपस्थितरही।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
दिनांक20 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केंद्रझाँसी द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्रझांसी द्वारानामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रम के अंतर्गतदिनांक 20 फरवरी, 2024 को क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 पुष्पेंद्रकुमारवर्मा द्वाराराजगढ़ झांसी के दुर्गापुरगांवमेंनामांकनअभिप्रेरणकार्यक्रमचलायागया।कार्यक्रममें डॉ0 पुष्पेंद्रकुमारवर्मा द्वाराऔपचारिकशिक्षा से वंचितस्थानीय ग्रामीणमहिलाओं एवंपुरुषों के साथकॉलेज के छात्र–छात्राओंकोमुक्तविश्वविद्यालय से स्नातक, परास्नातक एवंडिप्लोमा, प्रमाणपत्र कार्यक्रमोंमेंप्रवेशलेने की जानकारीदीगई।उन्होंनेबतायाकिमुक्तविश्वविद्यालय मेंप्रवेशलेने के लिए उम्र की कोईबाध्यतानहींहै।आप यदिपढ़ने की इच्छा रखतेहैंतोउम्र के किसीभीपड़ावमेंप्रवेशलेसकतेहैंतथाप्रवेश के लिए मोटिवेटकियागया।

दुर्गापुरगांव के प्रधानश्रीदेवीदयालराजपूतजी से भीमुलाकात की एवंप्रवेश की जानकारियांप्रदान की

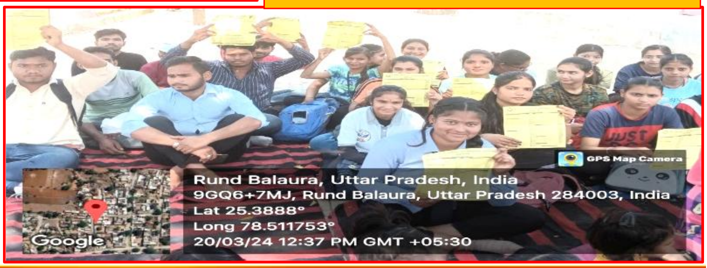

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
दिनांक20 मार्च, 2024

अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गतउच्चशिक्षा के प्रसारहेतुराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय का अभिप्रेरणअभियान

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या द्वारा दिनांक20मार्च, 2024 कोअभिप्रेरणअभियान का आयोजनप्रतापमहाविद्यालय, शीतनगंज, गोंडामेंकियागया।अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसत्यपालतिवारी ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी। इस अभियान के माध्यम से प्रोफेसरतिवारी ने बतायाकिविश्वविद्यालय ने अपने शैक्षिक क्षेत्र मेंगरीबऔरपिछड़ेवर्ग के छात्रोंकोशिक्षा के प्रतिप्रेरितकियाहै। इस कदम का मुख्य उद्देश्य हैसमाज के हरवर्गकोउच्चशिक्षा के साथजोड़कर उनके भविष्य कोसशक्तबनाना।उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस अवसरपरसहायकआचार्य डॉ. अनुपमएवंअयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 शशिभूषणराम त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी।कार्यक्रममेंप्राचार्यडॉ0 शत्रुध्न सिंह एवंमहाविद्यालय के शिक्षक एवंविद्यार्थीउपस्थितरहे।

अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गतउच्चशिक्षा के प्रसारहेतुराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय का अभिप्रेरणअभियान

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या द्वारा दिनांक20मार्च, 2024 कोअभिप्रेरणअभियान का आयोजनजे.देवीमहिलामहाविद्यालय, बभनान,गोंडामेंकियागया।अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसत्यपालतिवारी ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी। इस अभियान के माध्यम से प्रोफेसरतिवारी ने बतायाकिविश्वविद्यालय ने अपने शैक्षिक क्षेत्र मेंगरीबऔरपिछड़ेवर्ग के छात्रोंकोशिक्षा के प्रतिप्रेरितकियाहै। इस कदम का मुख्य उद्देश्य हैसमाज के हरवर्गकोउच्चशिक्षा के साथजोड़कर उनके भविष्य कोसशक्तबनाना।उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस अवसरपरसहायकआचार्य डॉ. अनुपमएवंअयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 शशिभूषणराम त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी।कार्यक्रममेंमहाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ.श्रवण शुक्ला, डॉ.विनोद यादव, डॉश्रवण शुक्ला, समन्वयक, आचार्यनरेन्द्रदेवपी.जी.कालेज, बभनान, गोंडाएवंमहाविद्यालय के शिक्षक एवंविद्यार्थीउपस्थितरहे।

दिनांक 21 मार्च, 2024

मुविविमेंनैकआवश्यकताओं के दृष्टिगतग्रीनआडिटसम्बन्धीक्रियान्वयन के सम्बन्ध मेंबैठक

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीय कुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी के अध्यक्षतामेंनिदेशकCIQA, समस्तविद्याशाखओं के निदेशक, प्रभारीनिदेशक, पर्यावरणजागरूकता एवंग्रीनऑडिटसमिति, ऊर्जासंरक्षण, ऑडिटसमिति के समस्तसदस्यगण, NAAC क्राइटेरिया–7 के संयोजकगण एवंकुलसचिव की NAACआवश्यकताओं के दृष्टिगतGreen Auditसम्बन्धीमुद्दे, महत्वऔरइसकेप्रभावीक्रियान्यवयनप्रक्रिया के सम्बन्ध में एक आवश्यक बैठकदिनांक21मार्च, 2024 कोपूर्वाह्न 11:30 बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गईहै ।

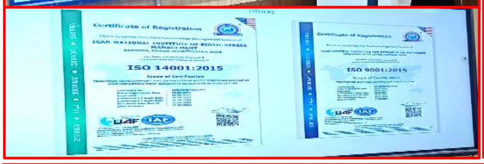

cSBd dh v/;{krkdjrhgqbZekuuh;kdqyifrizksQsljlhek flag th,oacSBdesamifLFkrfuns'kdrFkkfofHkUUlfefr;ksa ds

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
दिनांक21 मार्च, 2024

मुविवि के क्षेत्रीय केन्द्रलखनऊ द्वारानामांकनअभिप्रेरणअभियानकार्यक्रम

उ0 प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज, लखनऊ क्षेत्रीय केन्द की क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 निराजंलिसिन्हा द्वारादिनांक 21 मार्च, 2024 कोनामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहतग्रामबरौली, लखनऊमेंस्थित लखनऊमॉडर्नइंटरकॉलेजमेंप्राचार्यश्रीशिवकांत त्रिपाठी, शिक्षिको व स्टाफकोमुक्तविश्वविद्यालय की महत्वपूर्णजानकारीदीगई ।उन्होंनेसभीकोबतायाकिनईशिक्षा नीति–2020 के तहतकिसप्रकार से आपलोग इस विश्वविद्यालय से कोर्सेजकरकेअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस स्कूल से एक शिक्षिका की सहपाठीमुक्तविश्वविद्यालय मेंअध्यनरतभीहै ।सभीकोविस्तार से पाठ्यक्रमों की जानकारीदीगई ।कार्यक्रममें एकलविषय, बी. एड, एम.ए. आदि के बारेमेंजानकारीदीगयी।
पाठ्यसामग्री समय परपहुंचने की बातभी एकशिक्षिका ने रखी ।फीस से संबंधितप्रश्नभी रखेगए ।सभी का सकारात्मकऔरसंतोषजनकसमाधानकियागया ।अन्तमेंप्राचार्यश्रीशिवकांत त्रिपाठी द्वाराआभारव्यक्तकियागया।

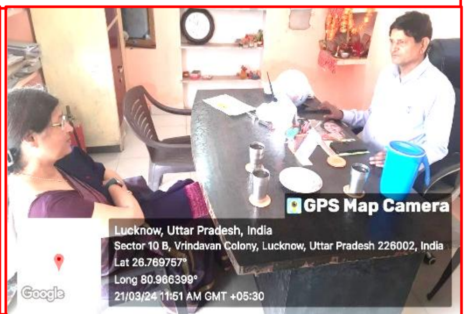

दिनांक21 मार्च, 2024

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्रके अंतर्गतदूरस्थमाध्यम से उच्चशिक्षा के प्रसारहेतुबस्ती एवंअम्बेडकरनगरजनपदमेंचलायागयानामांकनअभिप्रेरणअभियान

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या द्वारा दिनांक 21 मार्च, 2024 कोअभिप्रेरणअभियान का आयोजनजनपदबस्ती के किसानशिक्षणमहाविद्यालयमेंकियागया।अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसत्यपालतिवारी ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी। इस अभियान के माध्यम से प्रोफेसरतिवारी ने बतायाकिविश्वविद्यालय ने अपने शैक्षिक क्षेत्र मेंगरीबऔरपिछड़ेवर्ग के छात्रोंकोशिक्षा के प्रतिप्रेरितकियाहै। इस कदम का मुख्य उद्देश्य हैसमाज के हरवर्गकोउच्चशिक्षा के साथजोड़कर उनके भविष्य कोसशक्तबनाना।उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस अवसरपरसहायकआचार्य डॉ. अनुपम एवंअयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 शशिभूषणराम त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी। इस अभियान के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारापूरेप्रदेशमें शैक्षिक क्षेत्र मेंवंचितऔरपिछड़ेछात्रोंकोउच्चशिक्षा के प्रतिप्रेरितकियाजारहाहै। इस कदम का मुख्य उद्देश्य हैसमाज के हरवर्गकोउच्चशिक्षा के साथजोड़कर उनके भविष्य कोसशक्तबनानाहै।कार्यक्रममेंशिवहर्षपी.जी.कालेज के प्राचार्यप्रो.रीनापाठक, समन्वयक डॉ शिवेन्द्रमोहनपाण्डेय,डॉ.रोहित सिंह एवंशिक्षकऔरकर्मचारी शामिलरहे।

अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गतउच्चशिक्षा के प्रसारहेतुराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय का अम्बेडकरनगरजनपदअभिप्रेरणअभियान

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के नामांकनअभिप्रेरणअभियान के तहत क्षेत्रीय केंद्रअयोध्या द्वारा दिनांक 21 मार्च, 2024 कोअभिप्रेरणअभियान का आयोजनअम्बेडकरनगरजनपद के बी. एम. मेमोरियलपी. जी. कॉलेजमेंकियागया।अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्रप्रभारीप्रोफेसरसत्यपालतिवारी ने विश्वविद्यालय के विभिन्नविषयोंपरविस्तार से चर्चाकी। इस अभियान के माध्यम से प्रोफेसरतिवारी ने बतायाकिविश्वविद्यालय ने अपने शैक्षिक क्षेत्र मेंगरीबऔरपिछड़ेवर्ग के छात्रोंकोशिक्षा के प्रतिप्रेरितकियाहै। इस कदम का मुख्य उद्देश्य हैसमाज के हरवर्गकोउच्चशिक्षा के साथजोड़कर उनके भविष्य कोसशक्तबनाना।उन्होंनेबतायाकिकिसप्रकारविश्वविद्यालय मेंनामांकनकराकरअपनेकरियरमेंविकासकरसकतेहैं। इस अवसरपरसहायकआचार्य डॉ. अनुपम एवंअयोध्या के क्षेत्रीय केन्द्रसमन्वयक डॉ0 शशिभूषणराम त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय के परीक्षा पैटर्न के बारेमेंजानकारीदी। इस अभियान के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारापूरेप्रदेशमें शैक्षिक क्षेत्र मेंवंचितऔरपिछड़ेछात्रोंकोउच्चशिक्षा के प्रतिप्रेरितकियाजारहाहै। इस कदम का मुख्य उद्देश्य हैसमाज के हरवर्गकोउच्चशिक्षा के साथजोड़कर उनके भविष्य कोसशक्तबनानाहै।

विश्वविद्यालय दे रहा रोजगार परक पाठ्यक्रम को बढ़ावा : निदेशक

जासं, बस्ती: राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक मानविकी विद्या शाखा प्रो.सत्यपाल तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय कौशल विकास के नए पाठ्यक्रम चला रहा है। व्यवसायिक पाठ्यक्रमों के लिए यू ट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर आनलाइन मैटर उपलब्ध करा रहा है। छात्रों को रोजगारपरक शिक्षा देकर नौकरी के नए अवसर के द्वार खोल रहा है। गुरुवार को नामांकन अभिप्रेरण अभियान को गति देने शिवहर्ष किसान पीजी कालेज पहुंचे निदेशक ने कहा कि डिजास्टर मैनेजमेंट , कर्मकांड में डिप्लोमा, न्यूट्रीशियन कोर्स, मूंज का सामान बनाने के लिए श्रमिकों को प्रशिक्षण देने का कार्य विश्वविद्यालय कर रहा है। उन्होंने छात्रों से कहा कि जनवरी सत्र में प्रवेश प्रक्रिया आनलाइन शुरु की गयी है जो 31 मार्च तक चलेगा। इसका लाभ इंटर पास करने वाले से लेकर सरकारी या निजी नौकरी पेशा व्यक्ति हो या गृहणी कोई भी ले सकता है । विश्वविद्यालय कई पाठ्यक्रमों के लिए विभिन्न इंजीनियरिंग कालेजों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से (एमओयू) समझौते पर सहमति भी बना रहा है। महाविद्यालय पहुंचने पर प्राचार्य प्रो.रीना पाठक ने निदेशक का स्वागत किया। क्षेत्रीय समन्वयक डा.शशिभूषण राम त्रिपाठी, अध्ययन केंद्र समन्वयक डा.शिवेंद्र मोहन पांडेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राजर्षि टंडन मुक्त वि के प्रो .सत्यपाल तिवारी का स्वागत करती शिवहर्ष किसान पीजी कालेज की प्राचार्य प्रो .रीना पाठक • जागरण

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित

दिनांक21 मार्च, 2024

मुविविमें''मूक्सविकास'' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षणकार्यशाला का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारादिनॉक21मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के सरस्वतीपरिसरस्थिततिलक शास्त्रार्थसभागारमें ''मूक्सविकास'' विषय पर शोध एवंविकासप्रकोष्ठ के तत्वाधानमें एक दिवसीय प्रशिक्षणकार्यशाला का आयोजनहुआ।कार्यशालाके मुख्य वक्ता के रूपमें प्रो0 अनूपचतुर्वेदी, पूर्व अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबादविश्वविद्यालय, प्रयागराजरहे।

मॉसरस्वती की प्रतिमापरमाल्यार्पण एवंदीपप्रज्जवलनउपरान्त प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय, निदेशक, शोध एवंविकासप्रकोष्ठ द्वाराअतिथियों का औपचारिकस्वागतकियातथाकार्यशाला के विषय परभूमिकाकोरेखांकितकिया।

अन्तमेंकार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवादज्ञापन प्रो0 पी0के0पाण्डेय ने किया।कार्यक्रममें40 शिक्षक–प्रतिभागियों ने प्रतिभागकिया। यह कार्यक्रमपूर्वान्ह् 10.45 बजे से सायं 5.00 बजेतकचला।

अतिथियों का औपचारिकस्वागततथाकार्यशाला के विषय परभूमिकाकोरेखांकितकरतेहुए निदेशक, शोध एवंविकासप्रकोष्ठ, प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय

प्रो0 अनूपचतुर्वेदी

प्रथमतकनीकि सत्र मेंअपनेउद्बोधन एवंपी.पी.टी. प्रदर्शितकरतेहुए मुख्य वक्ता प्रो0 अनूपचतुर्वेदीजी ने मूक्स की अवधारणा एवंआवश्यकतापरप्रकाशडालतेहुए मूक्त के विभिन्नपक्षोंकोस्पष्टकियाउन्होंनेमूक्समेंवीडियोरिकार्डिंग से सम्बन्धितविभिन्नसावधानियोंकोभीअपनेउद्बोधनमेंउल्लिखितकियाऔरकहाकिकोर्स के प्रथमलेक्चररिकार्डिंगकोसबसेअन्तमेंकरानाउपयुक्तरहताहै।

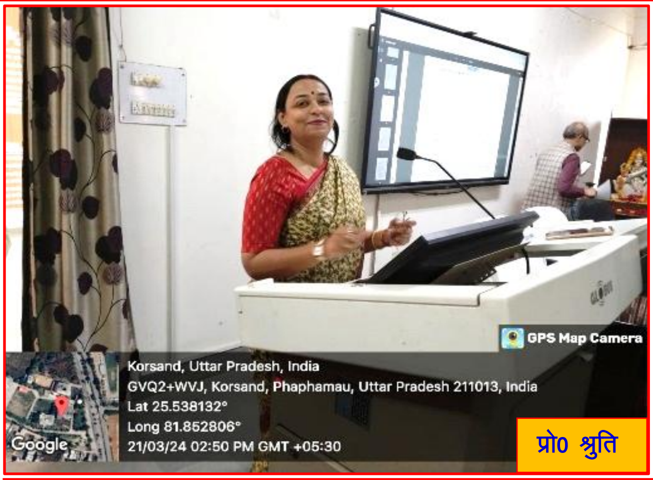

प्रो0 श्रुति

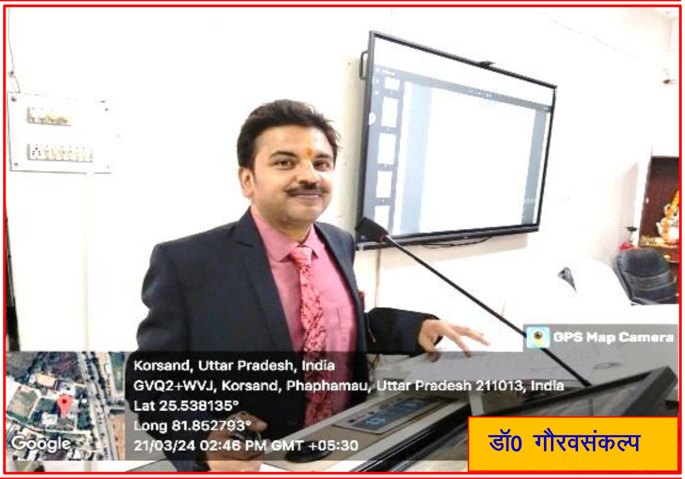

डॉ0 गौरवसंकल्प

कार्यशाला के द्वितीय तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ के रूपमें प्रो0 श्रुति, उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0 प्रयागराज ने मूक्सविकास के विभिन्नचरणोंकोविस्तृत रुप से स्पष्टकियातथाप्रत्येकचरण की विभिन्नआवश्यकताओं एवंप्रक्रियाओंको पी0पी0टी0 की सहायता से स्पष्टकिया। तृतीय तकनीकी सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ0 गौरवसंकल्प, उ0प्र0रा0ट0मु0वि0वि0 प्रयागराज ने मूक्सप्रारूपविकासपरप्रशिक्षणदियातथाप्रतिभागियों से SWAYAMपोर्टलपरवांछित रूचि की अभिरूचि(EoI)कोभीतैयारकरवाया

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1998 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
दिनांक22 मार्च, 2024

मुविविमें
'युवाओंमें बढ़ती मादकद्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवंसमाधान'
विषय पर एकदिवसीय ऑनलाइनराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाजविज्ञानविद्याशाखा के तत्वाधानमेंनार्कोकोऑर्डिनेशन (मादक पदार्थ) से संबंधितविषय मेंजनमानसमेंजागरूकतालानेहेतुनशामुक्तिपर 'युवाओंमें बढ़ती मादकद्रव्य व्यसन की प्रवृत्तिः समस्याएं एवंसमाधान' विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइनराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजनदिनांक 22 मार्च, 2024 कोपूर्वाह्न 11:00 बजेआयोजितकियागया।वेबिनार के मुख्य वक्ताप्रोफेसर एस. एन. शंखवार, निदेशक, चिकित्साविज्ञानसंस्थान (आई.एम.एस.) काशीहिंदूविश्वविद्यालय, वाराणसीरहेतथावेबिनार की अध्यक्षताश्रीविनय कुमार, कुलसचिव, उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज ने की।

प्रारम्भमेंसमाजविज्ञानविद्याशाखा के निदेशक एवंकार्यक्रमनिदेशकप्रोफेसर एस कुमार ने विशिष्टजनों का वाचिकस्वागतकिया।कार्यक्रम का संचालनआयोजनसचिव डॉ0 मनोजकुमार ने कियातथा धन्यवादज्ञापनसमाजविज्ञानविद्याशाखा के प्रोफेसरसंजय कुमार सिंह ने सभी के प्रतिआभारव्यक्तकियाऔरविशेष रूप से विश्वविद्यालय की सम्मानितकुलपतिआदरणीयाप्रोफेसरसीमा सिंह के प्रतिभीउन्होंनेआभारव्यक्तकिया। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के समस्तनिदेशक, प्रभारीनिदेशक, शिक्षक, क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक, परामर्शदाता, शोध छात्र आदि ने प्रतिभाग (आनलाइन/आफलाइन) किया।

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए आयोजनसचिवडॉ0मनोजकुमार

विशिष्टजनों का वाचिकस्वागतकरतेहुए समाजविज्ञानविद्याशाखा के निदेशक एवंकार्यक्रमनिदेशकप्रोफेसर एस.कुमार

शारीरिक एवंमानसिकविकारों का मुख्य कारणविविध मादकद्रव्यों का सेवन– प्रो0 शंखवार

प्रोफेसर एस. एन. शंखवार

वेबिनार के मुख्य वक्ताप्रोफेसर एस. एन शंखवार, निदेशक, चिकित्साविज्ञानसंस्थान (आई.एम.एस.) काशीहिंदूविश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहाकिआज युवाओंमेंमादकद्रव्यों के सेवन की प्रवृत्तिमेंदिनप्रतिदिन बढ़ोतरीहोरहीहैइसकेविभिन्नकारणोपरउन्होंनेअत्यंतसरलसहजतथासारगर्भिततरीके से बतायाकिकैसेलोगनशा के आदीहोरहेहैंतथाउसकेक्या–क्याप्रभावलोगों के शारीरिकमानसिकस्तरकोप्रभावितकररहाहै ।साथहीउन्होंनेइसकेबचाव के विभिन्नआयामोंपरभीप्रकाशडालाउन्होंनेकहाकिआज युवाओंमेंमादकद्रव्यों की लत एक गंभीरतथासंवेदनशीलसमस्याहैजिससे युवाओंमेंअनेकप्रकार की बीमारियांफैलरहीहै । इसकेहोने के विभिन्नकारणो की तरफभीउन्होंनेध्यानआकृष्ट कियाउन्होंनेकहाकिहमसभी का यह परमकर्तव्य है की विशेष रूप से शैक्षणिकसंस्थाओं का नशामुक्ति मे जागरूपतालायाजाय और युवाओकोइनबुराइयों से बचाने के लिए हमहुये एक स्वस्थसमाजविकाशितकियाजाए ।हमसभीकोसामूहिक रूप से प्रयासकिए जाने की आवश्यकताहै।

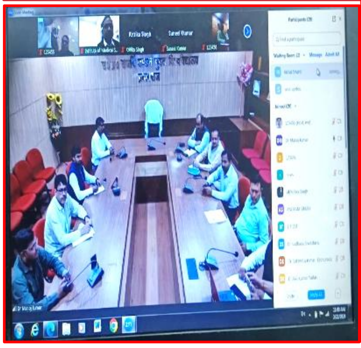

प्रोफेसर शंखवारकहाकियुवाओंमेंइसके बढ़तेसेवन एवंप्रभावों की ओरइंगितकरतेहुए युवाओं से इससेदूररहने का आह्वाहनकिया ।उन्होंनेकहाकिउनकाइसकेसेवन से विभिन्नप्रकार के शारीरिक एवंमानसिकविकारो से ग्रसितहोरहाहै ।उन्होंनेकहाकिहमसभी का यह परमकर्तव्य हैकिजनमानसमेंइसकेप्रतिजागरूकतालायेजानेपर बल दिया ।जिससेहोनेवालीगंभीरतथासंवेदनशीलसमस्याओं से समय रहतेहुए निदान एवं समाधानकियाजासके। अंत मेंउन्होंनेकहाकिइसकेलिए शैक्षणिकसंस्थानोंतथाविभिन्नगैरसरकारीसंगठनों की इस दिशामेंमहत्वपूर्णभूमिकाहोसकतीहै।

मादकद्रव्यों के सेवन की प्रवृत्तिमेंइजाफा : कर्नलविनय कुमार

कर्नलविनय कुमार

कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन के रूपमेंविश्वविद्यालय के कुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने कहाकिआज युवाओंमेंमादकद्रव्यों के सेवन की प्रवृत्तिमेंइजाफाहुआहैउन्होंनेइसकेविभिन्नकारणोपरप्रकाशडाला उन्होंनेइसकेलिए जोसामाजिकतथामनोवैज्ञानिककारणहै, कोभीरेखांकितकियाउन्होंने अंत मेंकहाकिहमसभी का कर्तव्य हैकि युवाओंमें बढ़तेइसकेप्रयोगऔरप्रभावो के प्रतिउनकोजागरूक एंवसचेतकरने की आवश्यकताहै।

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए समाजविज्ञानविद्याशाखा के प्रोफेसरसंजय कुमार सिंह

युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गम्भीर तथा संवेदनशील समस्या : प्रो. शंखवार

प्रयागराज, 22 मार्च (हि.स.)। आज युवाओं में मादक द्रव्यों की लत एक गम्भीर तथा संवेदनशील समस्या है, जि

www.hindusthansamachar.in

https://www.hindusthansamachar.in//Encyc/2024/3/22/Tendency-to-Drug-Addiction-Problems-and-Solutions.php

23:03

दिनांक 23 मार्च, 2024

कुलपति ने कियालखनऊ क्षेत्रीयकेन्द्र का औचकनिरीक्षण

उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी ने दिनांक 23 मार्च, 2024 कोविश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द, लखनऊ का औचकनिरीक्षणकिया। इस दौरान क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ की समन्वयक डॉ0 निराजंलिसिन्हातथाकर्मचारीगणउपस्थितरहे।

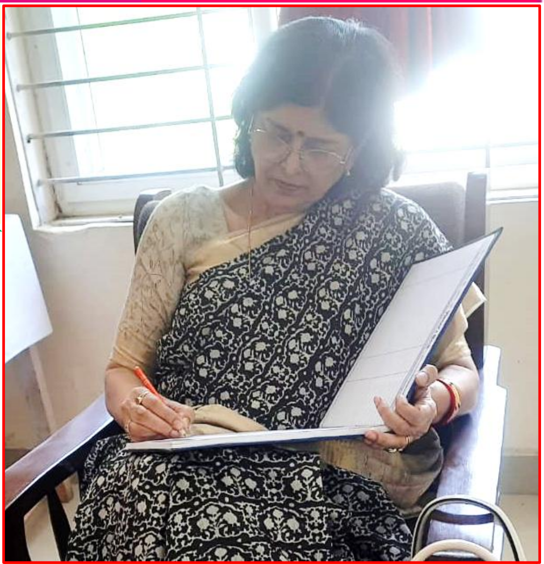

{ks=kh; dsUnzy[kuÅ dk

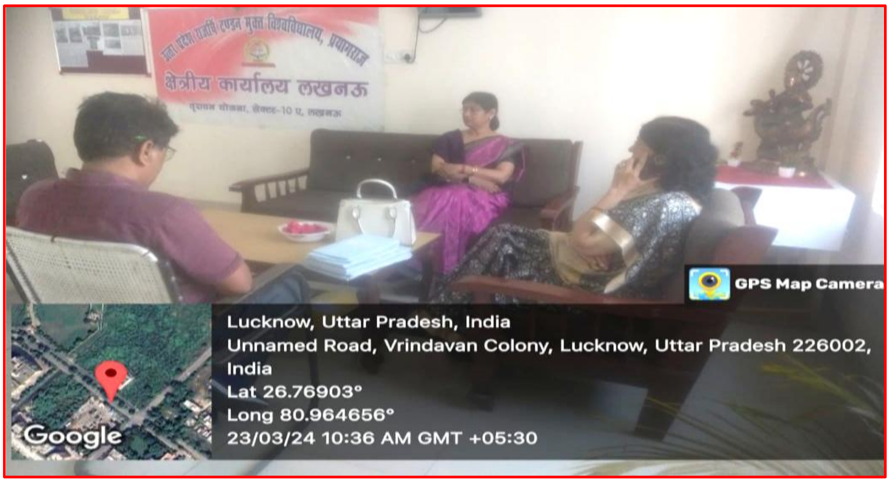

माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह जी ने क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ का निरीक्षणकरकार्यालय के गतिविधियों की जानकारीप्राप्तकी।उन्होंनेकहाकि नए शैक्षिक सत्र में क्षेत्रीय केन्द्रपरआनेवालेशिक्षार्थियों की जिज्ञासाओं का अच्छीतरह से समाधानकियाजाए।उन्हेंविश्वविद्यालय के रोजगारपरककार्यक्रमों के बारेमेंसूचनादीजाए।माननीयाकुलपतिजी ने क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ के कार्यालय भवनमेंआंशिकमरम्मत, सफाईव्यवस्थाआदिकोचुस्त–दुरूस्त रखने के साथ–साथकेन्द्रसमन्वयककोनिर्देशितकियाकिवहअपने अधीनस्थसभीकर्मचारियोंकोकार्यालय आने की समयबद्धतासुनिश्चितकरवाएं।

दिनांक30 मार्च, 2024

उत्तरप्रदेशराजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराज के समाजविज्ञानविद्याशाखा एवंभारतीय भाषासमिति, शिक्षा मंत्रालय, भारतसरकार के तत्वाधानमें''भारत की एकता एवं एकात्मतामेंजगद्गुरु श्री शंकराचार्य का योगदान'' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजनदिनांक 30 मार्च, 2024 कोपूर्वाह्न 11:00 बजेविश्वविद्यालय के सरस्वतीपरिसरस्थितलोकमान्य तिलक शास्त्रार्थसभागारमेंआयोजितकियागया।उक्तकार्यशाला के मुख्य वक्ताप्रोफेसरजटाशंकरजी, पूर्वअध्यक्ष एवंआचार्य, दर्शनशास्त्र विभाग, इलाहाबादकेंद्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराजतथाविशेषअतिथिश्रीमान् अभय जी, क्षेत्र धर्मजागरणप्रमुख, पूर्वीउत्तरप्रदेशरहे।कार्यक्रम की अध्यक्षतासमाजविज्ञानविद्या शाखा के निदेशकप्रोफेसरसंतोषकुमारजीने की।कार्यक्रम से पूर्वअतिथियों एवंवक्ताओं का स्वागतविश्वविद्यालय की माननीयाकुलपतिप्रोफेसरसीमा सिंह द्वाराकियागया।उन्होंनेआशाव्यक्तकियाकि यह कार्यक्रम युवाओं एवंजनमानसतकजगतगुरु शंकराचार्यकोविचारोंकोप्रसारितकरनेमेंसफलहोगा।साथहीउन्होंनेकार्यक्रम के समन्वयक डॉ आनंदानंद त्रिपाठीकोकार्यक्रम की सफलताहेतुअग्रिम शुभकामनाएंदी।

सरस्वतीवंदना तथा विश्वविद्यालय की कुलगीत की संगीतमय प्रस्तुति करतेहुए असिस्टेंटप्रोफेसर योग, श्रीअनुराग शुक्ल

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए असिस्टेन्टप्रोफेसर, समाजविज्ञानविद्याशाखा, डॉ0 सुनीलकुमार

कार्यक्रम का शुभारंभअतिथियों द्वारासरस्वतीप्रतिमापरमाल्यार्पण एवंदीपप्रज्ज्वलनतथाअनुराग शुक्ला द्वारासरस्वतीवंदना के साथकियागया।वाचिकस्वागतप्रोफेसरसंजय सिंह ने तथाविषय प्रवर्तनकार्यक्रमसमन्वयक डॉ. आनंदानन्द त्रिपाठी ने किया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनीलकुमारतथाधन्यवादज्ञापनमानविकीविद्या शाखा के निदेशकप्रोफेसरसत्यपालतिवारीने किया। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के शिक्षक, शोधछात्र एवमछात्र –छात्राएंउपस्थितरहे।कार्यकम के आयोजनसचिव डॉ0 त्रिविक्रततिवारीरहे।संपूर्णकार्यक्रममेंविश्वविद्यालय के समस्तविद्याशाखाओं के निदेशकगण, आचार्यगण, सहआचार्यगण, सहायक एवंसमस्त शोधार्थीउपस्थितरहे।

मंचासीनविशिष्टजनों का वाचिकस्वागतकरतेहुए प्रो0 संजय कुमारसिंह

व्याख्यान का विषय प्रर्वतनकरतेहुए कार्यक्रमसमन्वयक डॉ0 आनंदानंद त्रिपाठी

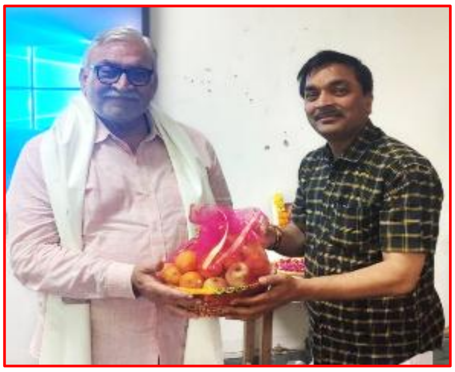

माननीय अतिथिगणेंकोपुष्पगुच्छ, हरितफल, अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्हभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए कार्यक्रमसमिति के सदस्यगण

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

शंकराचार्य के दर्शनमेंधरती एवंमानवता का कल्याणनिहित–अभय

विशिष्टअतिथिश्रीअभयजी

कार्यक्रम के विशिष्टअतिथिश्रीअभयजी, क्षेत्र धर्मजागरणप्रमुख, पूर्वीउत्तरप्रदेश ने अपनेसंबोधनमेंकहाकि शंकराचार्यको समझने के लिए सर्वप्रथमभारतीय ज्ञानपरंपरा एवंवेदोंको समझनाहोगा।उन्होंनेकहाकिदुनियामेंजोभेदभावऔरअलगावदिखाईपड़ताहै, वहअज्ञानता का कारणहै।सत्य का साक्षात्कारहोजाने या सच्चाज्ञानप्राप्तकरलेनेपरभेदबुद्धि स्वतरू समाप्तहोजातीहै।सम्पूर्णसंसारउसीपरमब्रह्म का अभिव्यक्तस्वरूपहै।सहीमायनेमेंउनका अद्वैत दर्शनदेश, कॉल, परिस्थितिआदि सब प्रकार की मानवनिर्मितसीमाओं से परे एक विश्वदर्शनहैजिसमेंसंपूर्णधरती एवंमानवता का कल्याणनिहितहै ।

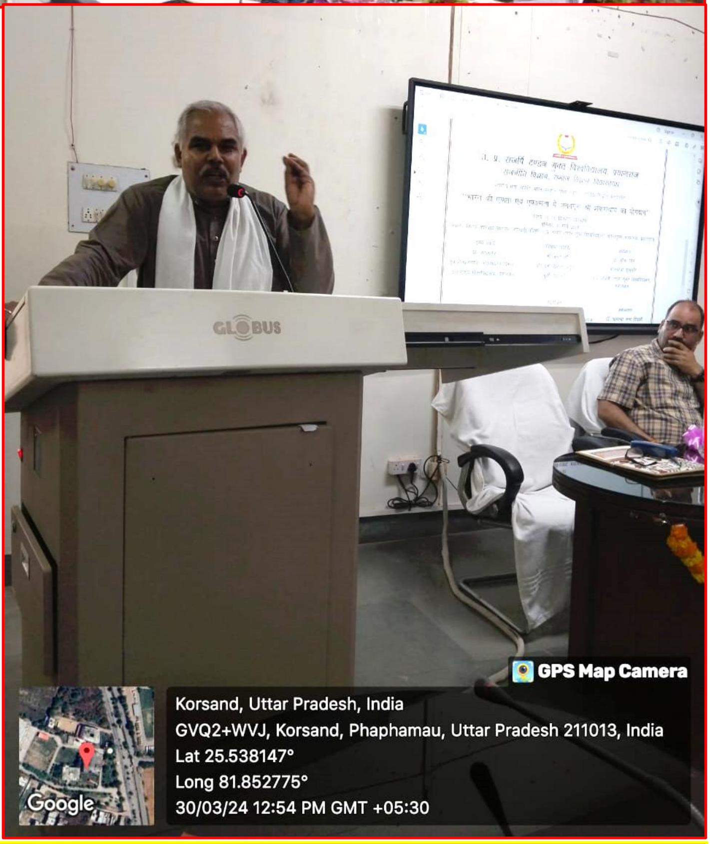

शंकराचार्य ने सनातनधर्म की एकताको अक्षुण्ण रखा–प्रोफेसरजटाशंकर

मुख्य वक्ताप्रोफेसरजटाशंकरजी, पूर्वविभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग,इलाहाबादकेंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपनेव्याख्यानमेंकहाकि शंकराचार्य ने सनातनधर्म की एकताको अक्षुण्ण एवंसांस्कृतिक एकसूत्रताकोबनाए रखा।उन्होंनेकहाकिआदि शंकर की दिग्विजय यात्रा का उद्देश्य किसीसमुदाय के विरुद्ध विद्वेषनहींथाबल्किभारतीय संप्रदायों एवंधर्ममेंआयीविकृतियों का समूलविनाशकरनाथा। शंकराचार्य ने शक्तिहीन खंडितहोतेराष्ट्र को युवाअनुकूलवैज्ञानिकअध्यात्मदर्शन के आधारपरपुनर्जीवितकिया।उन्होंने अद्वैत वेदांत का प्रवर्तनकिया। उनके दर्शन का मूलआधार एकात्मकताहै।प्रोफेसरजटाशंकर ने कहाकिआत्मतत्वकोसिर्फमनुष्य तकहीसीमितकरकेनहीं देखा जानाचाहिए।सृष्टिमेंजोभीहैउसमेंआत्मतत्वहै।सृष्टिऔर सृष्टामेंकोईफर्कनहींहै।उन्होंनेकहाकिभारत के स्वतंत्रताआंदोलनमेंआजादी के महानायकोंमहात्मागांधी, नरेंद्रदेव एवंस्वामीविवेकानंदआदि के विचारोंपर अद्वैतवाद का प्रभावभारत की एकताऔर एकात्मकताको प्रमाणित करताहै।सनातनधर्म की एकताकोस्थापितकरने के लिए चारोंदिशाओंमेंचारमठ की स्थापना की गई।

मुख्य वक्ताप्रोफेसरजटाशंकरजी

मनुष्य कोसदैवसकारात्मकऊर्जा से परिपूर्णहोनाचाहिए: प्रोफेसरसन्तोषाकुमार

कार्यक्रम की अध्यक्षताकरतेहुए प्रोफेसर एस कुमार, निदेशक, समाजविज्ञानविद्या शाखा ने कहाकिमनुष्य कोसदैवसकारात्मकऊर्जा से परिपूर्णहोनाचाहिए।ईश्वरपरविश्वास एवम् निष्ठाहोनीचाहिए तथा शंकराचार्य द्वारास्थापितमानदंडों का अनुकरणकरनाचाहिए।

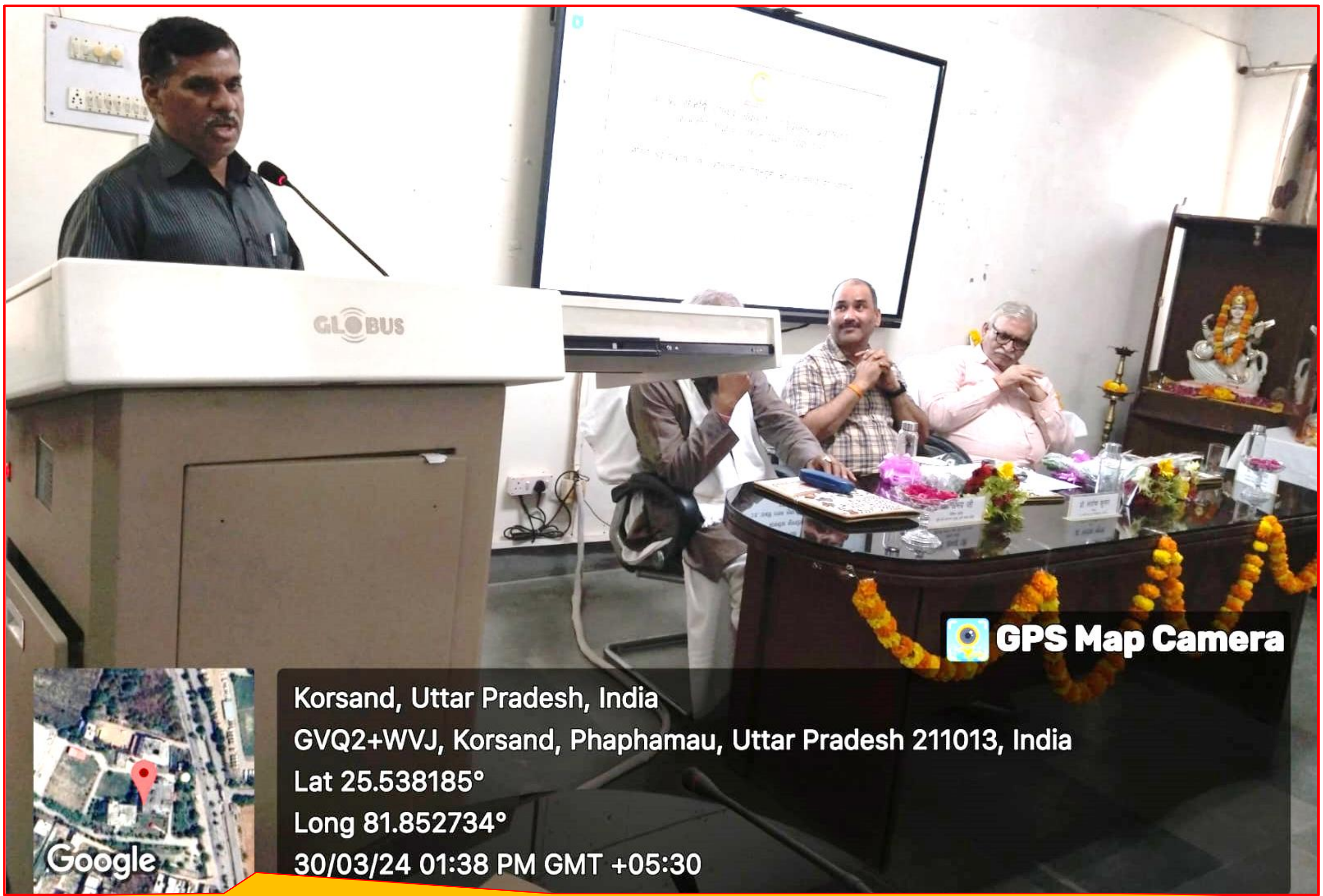

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए मानविकीविद्या शाखा के निदेशकप्रोफेसरसत्यपालतिवारी

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

3 राजधानी
हर शनिवार होगा चुनावी चौपाल का आयोजन

9 राष्ट्रीय
चिराग ने घोषित किए उम्मीदवार

11 विदेश
इंग्लैंड के ऐतिहासिक किले में होली उत्सव आयोजित

12 स्पोर्ट्स
लखनऊ सुपर जाइंट्स ने पंजाब किंग्स को हराया

RNI NO.UPHIN/2010/36547
लखनऊ, रविवार, 31 मार्च, 2024

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

कांग्रेस अभी भी अहंकारी है, वह कानून से ऊपर नहीं
राष्ट्रीय-10

www.dailypioneer.com

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 31 मार्च, 2024

शंकराचार्य ने सनातन धर्म की एकता को अक्षुण्ण बनाए रखा : प्रो. जटाशंकर

शंकराचार्य के दर्शन में धरती एवं मानवता का कल्याण निहित्र अभय शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान आयोजित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं भारतीय भाषा समिति शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में जगतगुरु शंकराचार्य व्याख्यानमाला के अंतर्गत शनिवार को तिलक सभागार में समाज विज्ञान विद्या शाखा के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारत की एकता एवं एकात्मकता में जगतगुरु शंकराचार्य का योगदान विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो जटाशंकर पूर्व विभागाध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कहा कि शंकराचार्य ने सनातन धर्म की एकता को अक्षुण्ण एवं सांस्कृतिक एकसूत्रता को बनाए रखा। उन्होंने कहा कि आदि शंकर की दिग्विजय यात्रा का उद्देश्य किसी समुदाय के विरुद्ध विद्वेष नहीं था बल्कि भारतीय संप्रदायों एवं धर्म में आयी विकृतियों का समूल विनाश करना था। शंकराचार्य ने शक्तिहीन खंडित होते राष्ट्र को युवा अनुकूल वैज्ञानिक अध्यात्म दर्शन के आधार पर पुनर्जीवित किया। उन्होंने अद्वैत वेदांत का प्रवर्तन किया। उनके दर्शन का मूल आधार एकात्मकता है। प्रो जटाशंकर ने कहा कि आत्म तत्व को सिर्फ मनुष्य तक ही सीमित करके नहीं देखा जाना चाहिए। सृष्टि में जो भी है उसमें आत्म तत्व है। सृष्टि और सृष्टा में कोई फर्क नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में आजादी के महानायकों महात्मा गांधी नरेंद्र देव एवं स्वामी विवेकानंद आदि के विचारों पर अद्वैतवाद का प्रभाव भारत की एकता और एकात्मकता को प्रमाणित करता है। सनातन धर्म की एकता को स्थापित करने के लिए चारों दिशाओं में चार मठ की स्थापना की गई।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अभय क्षेत्र धर्म जागरण प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश ने कहा कि शंकराचार्य को समझने के लिए सर्वप्रथम भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वेदों को समझना होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया में जो भेदभाव और अलगाव दिखाई पड़ता है। वह अज्ञानता का कारण है। सत्य का साक्षात्कार हो जाने या सच्चा ज्ञान प्राप्त कर लेने पर भेद बुद्धि स्वतः समाप्त हो जाती है। सम्पूर्ण संसार उसी परम ब्रह्म का अभिव्यक्त स्वरूप है। सही मायने में उनका अद्वैत दर्शन देश काल परिस्थिति आदि सब प्रकार की मानव निर्मित सीमाओं से परे एक विश्व दर्शन है। जिसमें संपूर्ण धरती एवं मानवता का कल्याण निहित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो एस कुमार निदेशक समाज विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि मनुष्य को सदैव सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण होना चाहिए। ईश्वर पर विश्वास एवम निष्ठा होनी चाहिए तथा शंकराचार्य द्वारा स्थापित मानदंडों का अनुकरण करना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन तथा अनुराग शुक्ला द्वारा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। वाचिक स्वागत प्रो संजय सिंह तथा विषय प्रवर्तन कार्यक्रम समन्वयक डॉ आनंदानन्द त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ सुनील कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापन मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रो सत्यपाल तिवारी ने किया। कार्यक्रम से पूर्व अतिथियों एवं वक्ताओं का स्वागत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने किया। यह जानकारी मीडिया प्रभारी डा प्रभात चन्द्र मिश्रा ने दी।

Daily News
SANYAM BHARAT
VOL. 02
NO. 281
MORNING
EDITION
PRAYAGRAJ
SUNDAY, 31 MARCH 2024, PAGES 4, PRICE RS. 1.00
Padhiye Dil Aur Shan Se....

EDIT
PRAYAGRAJ
NATION

Famine in Gaza
Shankaracharya preserved oneness of Sanatan Dharma: Prof. Jatashankar
Sakshi Tanwar joins Nitesh Tiwari's 'Ramayana' as Mandodari

SANYAM BHARAT | PRAYAGRAJ

Shankaracharya preserved oneness of Sanatan Dharma: Prof. Jatashankar

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and Indian Language Committee, Ministry of Education, Government of India under the joint aegis of Jagatguru Shri Shankaracharya Lecture Series on Saturday at Tilak Auditorium A one-day lecture was organized on the topic "Contribution of Jagatguru Shri Shankaracharya in the Unity and Unity of India" by the Department of Political Science of the Social Sciences Branch. Keynote speaker Professor Jatashankar, former Head of Department, Department of Philosophy, Allahabad Central University, said in his lecture that Shankaracharya kept the unity of Sanatan Dharma intact and cultural uniformity. He said that the purpose of Adi Shankar's Digvijay Yatra was not to have hatred against any community but to completely destroy the distortions in Indian sects and religion. Shankaracharya revived the powerless and fragmented nation on the basis of youth-friendly scientific spiritual philosophy. He promoted Advaita Vedanta. The basic basis of his philosophy is unity. Professor Jatashankar said that the soul element should not be limited to humans only. Whatever is in the universe has soul

element in it. There is no difference between creation and creator. He said that in India's freedom movement, the influence of monism on the thoughts of great freedom fighters Mahatma Gandhi, Narendra Dev and Swami Vivekananda etc. proves the unity and integrity of India. To establish the unity of Sanatan Dharma, four monasteries were established in four directions.

The special guest of the program, Shri Abhay, Head of Area Dharma Jagran, Eastern Uttar Pradesh, said in his address that to understand Shankaracharya, one has to first understand the Indian knowledge tradition and Vedas. He said that the discrimination and separation seen in the world is the cause of ignorance. Once the truth is realized or true knowledge is obtained, the discrimination mind automatically ends. The entire world is the manifested form of the same Supreme Brahma. In true sense, his Advaita philosophy is a world philosophy beyond all kinds of man-made boundaries of country, call, situation etc. in which the welfare of the entire earth and humanity lies. Presiding over the program, Professor S. Kumar, Director, Social Sciences Vidya Branch said that man should always be full of positive energy. One should have faith and devotion in God and should follow the norms established by Shankaracharya. The program started with garlanding and lighting of lamp on Saraswati statue by the guests and Saraswati Vandana by Anurag Shukla. The oral welcome was given by Professor Sanjay Singh and Subject Promotion Program Coordinator Dr. Anandanand Tripathi. The program was conducted by Dr. Sunil Kumar and the vote of thanks was given by Professor Satyapal Tiwari, Director of Humanities Branch. On this occasion, teachers, research scholars and students of the university were present. Before the program, the guests and speakers were welcomed by the Vice-Chancellor of the University, Professor Seema Singh. He expressed hope that this program will be successful in spreading the thoughts of Jagatguru Shankaracharya to the youth and public. He also congratulated the program coordinator Dr. Anandanand Tripathi for the success of the program.

VOL. 16
NO. 89
MORNING
EDITION
PRAYAGRAJ
JUSTICE EXPRESS
SUNDAY, 31 MARCH 2024, PAGE 1-8
www.justiceexpress2009@gmail.com
* City Edition Price Rs. 1.00
* Out of City Edition Price Rs. 1.00

NATION/CITY
WORLD
SPORTS

Congress hold protests across country...

US President Joe Biden's election...
Sunrisers Hyderabad host Gujarat Titans in a bid to maintain...

Shankaracharya kept the unity of Sanatan Dharma intact - Professor Jatashankar

The welfare of earth and humanity lies in the philosophy of Shankaracharya - Abhay

Lecture organized in Open University with the support of Ministry of Education, Government of India

JE CORRESPONDENT

Prayagraj: Under the joint aegis of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj and Bharatiya Bhasha Samiti, Ministry of Education, Government of India, a one-day lecture was organized on the topic "Contribution of Jagatguru Shri Shankaracharya in the unity and integrity of India" by the Department of Political Science, Social Science Faculty in Tilak Auditorium on Saturday under the Jagatguru Shri Shankaracharya Lecture Series.

Chief speaker Professor Jatashankar, former Head of Department, Department of Philosophy, Allahabad Central University, said in his lecture that Shankaracharya kept the unity of Sanatan Dharma intact and maintained cultural cohesion. He said that the purpose of Adi Shankar's Digvijay Yatra was not hatred against any community but to completely destroy the distortions in Indian sects and religion. Shankaracharya revived the powerless, disintegrating nation on the basis of youth-friendly scientific spiritual philosophy. He introduced Advaita Vedanta. The basic foundation of his philosophy is oneness. Professor Jatashankar said that the soul element should not be limited to humans only. Soul element is there in everything in the universe. There is no difference between the universe and the creator. He said that the influence of Advaita on the thoughts of great freedom fighters Mahatma Gandhi, Narendra Dev and Swami Vivekananda etc. in the Indian freedom movement proves the unity and oneness of India. To establish the unity of Sanatan Dharma, four monasteries were established in the four directions.

The special guest of the program, Mr. Abhay, Kshetra Dharma Jagran Pramukh, Eastern Uttar Pradesh, in his address said that to understand Shankaracharya, first of all, one has to understand the Indian knowledge tradition and the Vedas. He said that the discrimination and separation that is seen in the world is due to ignorance. When one realizes the truth or acquires true knowledge, the discrimination automatically ends. The entire world is the manifestation of the same Param Brahma. In true sense, his Advaita philosophy is a world philosophy beyond all kinds of man-made boundaries of country, region, situation etc., in which the welfare of the entire earth and humanity lies.

Presiding over the program, Professor S Kumar, Director, Social Science Faculty said that man should always be full of positive energy. There should be faith and devotion in God and the norms established by Shankaracharya should be followed.

The program was inaugurated by the guests with garlanding the Saraswati statue and lighting of lamps and Saraswati Vandana by Anurag Shukla. The verbal welcome was done by Professor Sanjay Singh and the topic was introduced by the program coordinator Dr. Anandanand Tripathi. The program was conducted by Dr. Sunil Kumar and the vote of thanks was given by Professor Satyapal Tiwari, Director of Humanities Faculty. On this occasion, teachers, research scholars and students of the university were present.

Before the program, the guests and speakers were welcomed by the Vice Chancellor of the University, Professor Seema Singh. She expressed hope that this program will be successful in spreading the thoughts of Jagatguru Shankaracharya to the youth and the general public. She also wished the program coordinator Dr. Anandanand Tripathi for the success of the program.